▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 311 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 09-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मैंने सीखा कि टेस्ट क्रिकेट में निरंतरता ही सबकुछ है : सुथार

6 अब नेपाल से सुलझ जाएगा सीमा विवाद

7 मां को तकलीफ न हो इसलिए कभी जिद नहीं की : रानी मुखर्जी

फर्स्ट टेक

दुबई में सड़क हादसा, कई भारतीय कामगारों की मौत : अधिकारी

दुबई/भाषा। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर में सोमवार को बीच सड़क पर अचानक ट्रक के खड़े होने से पीछे आ रही मिनीबस उससे टकरा गई। इस हादसे में कई भारतीय कामगारों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''दुबई में हुई दुखद सड़क दुर्घटना से हम बेहद दुखी हैं, जिसमें कई भारतीय कामगारों की जान चली गई।'' भारतीय मिशन ने कहा कि वह हर संभव सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है।

इस्पात संयंत्र में पिघला हुआ लोहा गिरने से आठ श्रमिकों की मौत

विशाखापत्तनम/भाषा। विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र के नाम से जाने जाने वाले राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के परिसर में सोमवार को पिघला हुए लोहा गिरने से कम से कम आठ श्रमिकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में छह श्रमिकों के झुलसने की भी खबर है। उन्होंने बताया कि कुछ श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए हैं और उनकी हालत बेहद नाजुक है। एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, आठ श्रमिकों की मौत हो गई और छह अन्य झुलस गए। इनमें से कुछ गंभीर रूप से झुलस गए हैं। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान जारी है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुख जाहिर किया। उन्होंने सभी विभागों को बचाव अभियान में आपसी तालमेल के साथ काम करने का निर्देश दिया।

शी चिनफिंग ने किम जोंग उन को 'अटूट' समर्थन देने का वादा किया

बीजिंग/भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सोमवार को अपने दीर्घकालिक सहयोगी उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन को 'अटूट' समर्थन का आश्वासन दिया। चिनफिंग, उत्तर कोरिया के दो दिवसीय दौरे पर हैं। चिनफिंग की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आईं, जब किम ने हाल के वर्षों में रूस के साथ अपने संबंधों को और मजबूत किया है। रूस और उत्तर कोरिया के बढ़ती घनिष्ठता से माना जा रहा है कि चीन काफी असहज है। चीन के राष्ट्रपति की 2019 के बाद उत्तर कोरिया की यह पहली यात्रा है और इस वर्ष यह उनकी पहली विदेश यात्रा भी है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, शी ने किम से कहा, अंतरराष्ट्रीय स्थिति में चाहे जो भी बदलाव आए चीन और उत्तर कोरिया के बीच पारंपरिक मित्रता को अत्यधिक महत्व देने के संबंध में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और सरकार का दृढ़ रुख नहीं बदलेगा।

सूर्यास्त 09-06-2026	सूर्योदय 10-06-2026
6:34 बजे	5:41 बजे

BSE	NSE
73,524.26	23,123.00
(-719.09)	(-243.70)

सोना	चांदी
15,619 रु.	254,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शर्मिंदा सदन

अंटशंट जो बोल रहा कुछ,
नेता वो बकवादी है।
आरोपित करता दूजे को,
ज्यों वादी प्रतिवादी है।
हमने ऐसों को चुन करके,
करी वोट बरबादी है।
शर्मिंदा जो करे सदन को,
ये कैसी आजादी है?

कीर्ति चक्र

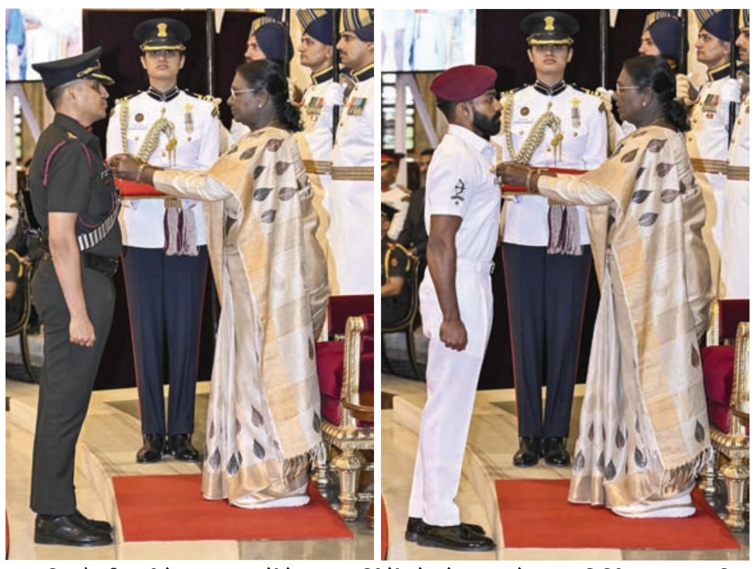

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सशस्त्र बलों के उन कर्मियों को सोमवार को सात कीर्ति चक्र प्रदान किए जिन्होंने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना अदम्य साहस, अद्वितीय वीरता और असाधारण पराक्रम दिखाया। इनमें से दो कर्मियों को पदक मरणोपरांत दिए गए। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह के प्रथम चरण के तहत मुर्मू ने रक्षा बलों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश पुलिस के कर्मियों को सात कीर्ति चक्र (जिनमें दो मरणोपरांत शामिल हैं), 15 वीर चक्र (जिनमें तीन मरणोपरांत शामिल हैं) और 29 शौर्य चक्र (जिनमें एक मरणोपरांत शामिल है) प्रदान किए।

ब्रिक्स दुनिया के विकासशील देशों की एक मजबूत आवाज : शिवराज सिंह चौहान

ब्रिक्स बैठक में खाद्य सुरक्षा, किसान कल्याण पर होगा मंथन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि इंदौर में मंगलवार से शुरू हो रही ब्रिक्स देशों की पांच दिवसीय बैठक में खाद्य सुरक्षा, स्मार्ट कृषि, वैश्विक कृषि व्यापार और किसान कल्याण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि भारत की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के तहत नौ से 11 जून तक कृषि कार्य समूह (एग्रीकल्चर वर्किंग ग्रुप) की बैठक और 12-13 जून को ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की बैठक होगी।

ब्रिक्स एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया शामिल हैं।

बैठक के महत्व को रेखांकित करते हुए चौहान ने कहा कि ब्रिक्स दुनिया के विकासशील देशों की एक मजबूत आवाज है। उन्होंने कहा, ''दुनिया की लगभग आधी आबादी ब्रिक्स देशों में रहती है। वैश्विक कृषि भूमि का 42 प्रतिशत हिस्सा इन देशों में है और कृषि उत्पादन में भी इनकी हिस्सेदारी 42 प्रतिशत से अधिक है। दुनिया के 58 करोड़ किसानों में से 70 प्रतिशत छोटे किसान ब्रिक्स देशों में रहते हैं।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पांच दिवसीय बैठक में खाद्य सुरक्षा, किसान कल्याण, पोषण, जलवायु अनुकूल स्मार्ट कृषि, अंतरराष्ट्रीय कृषि व्यापार को सुगम बनाने, आपूर्ति शृंखला, डिजिटल कृषि, अनुसंधान, ज्ञान के आदान-प्रदान, कृत्रिम मेधा (एआई) और रोबोटिक्स जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों के बीच सहमति बनने के बाद एक संयुक्त घोषणा-पत्र जारी किया जाएगा।

चौहान ने कहा कि भारत इससे पहले 2012, 2016 और 2021 में भी ब्रिक्स बैठकों की अध्यक्षता कर चुका है। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले महीने इंदौर में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित होने वाली यह बैठक वैश्विक कृषि क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक अवसर साबित होगी और दुनिया को नई दिशा देगी।

ईरान और इजराइल ने एक-दूसरे पर हमले किये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। इजराइल और ईरान ने एक दूसरे पर सोमवार को हवाई हमले किए। हालांकि अमेरिका के बयान के कुछ घंटों बाद ईरानी सेना ने कहा कि वह हमले रोक रही है। इन हमलों के कारण पश्चिम एशिया में फिर से व्यापक स्तर पर युद्ध छिड़ने का खतरा मंडरा रहा है।

एक क्षेत्रीय अधिकारी के अनुसार अमेरिका ने ईरान से कहा है कि अगर तेहरान मिसाइल हमले रोक देता है तो इजराइल की ओर से और हमले नहीं किये जाएंगे, और यरूशलम फिलहाल हमले रोकने के लिए सहमत हो गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस, और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने टिप्पणी के लिए किये गए अनुरोध पर तत्काल कोई जवाब नहीं दिया।

ईरान पर 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया।

आक्रामक अभियानों को रोक रहे हैं : ईरानी सेना

दुबई/एपी। ईरानी सेना की संयुक्त कमान ने सोमवार को कहा कि वह अपने आक्रामक अभियानों को रोक रही है। ईरान की ओर से यह घोषणा दो महीने पहले अमेरिका द्वारा तेहरान के साथ युद्धविराम समझौता किए जाने के बाद से पहली बार इजराइल के साथ हुए संघर्ष के बाद की गई। इजराइल-ईरान के बीच ताजा संघर्ष से पश्चिम एशिया में एक बार फिर पूर्ण युद्ध शुरू होने का खतरा पैदा हो गया था। संयुक्त कमान ने कहा कि यदि इजराइल या उसके समर्थक दक्षिणी लेबनान सहित किसी भी तरह की ''आक्रामक और शत्रुतापूर्ण कार्रवाई'' करते हैं, तो ''पहले की तुलना में कहीं अधिक कठोर और दमनकारी उपाय किए जाएंगे।''

नेतन्याहू ने ईरान के साथ संघर्ष रुकने की बात स्वीकार की

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को ईरान के साथ युद्ध विराम की बात स्वीकार की, लेकिन उन्होंने भविष्य में होने वाले हमलों का बलपूर्वक जवाब देने का संकल्प व्यक्त किया। नेतन्याहू ने एक वीडियो बयान में कहा कि इजराइल द्वारा तेहरान में आतंकी शासन पर प्रहार करने के बाद लड़ाई रुक गई। उन्होंने हालांकि कहा कि अगर ईरान गलती करता है और हम पर फिर से हमला करता है, तो हम बलपूर्वक जवाब देंगे। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के सहयोगी, लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ इजराइल कार्रवाई जारी रखे।

उज्ज्वला योजना में अब मिलेंगे सब्सिडी वाले सिर्फ चार सिलेंडर

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' (पीएमयूवाई) के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की वार्षिक सीमा नौ से घटाकर चार कर दी है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को कहा कि यह बदलाव औसत घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। वर्ष 2016 में शुरू हुई इस योजना के तहत पहले लाभार्थियों को साल में 14.2 किलोग्राम के 12 सिलेंडर सब्सिडी पर मिलते थे। हालांकि, पिछले साल सब्सिडी वाले सिलेंडर की संख्या घटाकर नौ कर गई थी, जिसे अब और भी घटाकर चार कर दिया गया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव प्रवीण मल खनूजा ने कहा कि संशोधित सीमा उज्ज्वला लाभार्थियों की औसत वार्षिक गैस खपत के करीब है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य लाभार्थियों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए समर्थन देना है। सरकार ने मई, 2022 में उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए प्रति सिलेंडर 200 रुपए की लक्षित सब्सिडी शुरू की थी, जिसे बाद में अक्टूबर, 2023 में बढ़ाकर 300 रुपए कर दिया गया था।

पाकिस्तान का 'फितना अल-हिंदुस्तान' विमर्श 'आधिकारिक रूप से प्रायोजित दुष्प्रचार' : भारत

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान पर तीखा प्रहार करते हुए सोमवार को कहा कि इस्लामाबाद द्वारा अपनी सीमाओं के भीतर सक्रिय समूहों को 'फितना अल-हिंदुस्तान' कहना कुछ और नहीं, बल्कि ''धार्मिक शब्दावली में लिपटा आधिकारिक रूप से प्रायोजित गलत सूचना फैलाने का अभियान और दुष्प्रचार'' है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वतनेनी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में 'अफगानिस्तान की स्थिति' पर हुई बैठक के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा बयान दिया।

पर्वतनेनी ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने सरकारी अधिसूचनाएं जारी कर अपनी सरकारी एजेंसियों को अपनी सीमाओं के भीतर सक्रिय समूहों को 'फितना अल-हिंदुस्तान' कहना शुरू करने का निर्देश दिया है, जो और कुछ नहीं, बल्कि ''धार्मिक शब्दावली में लिपटा आधिकारिक रूप से प्रायोजित गलत सूचना फैलाने का अभियान और दुष्प्रचार'' है।

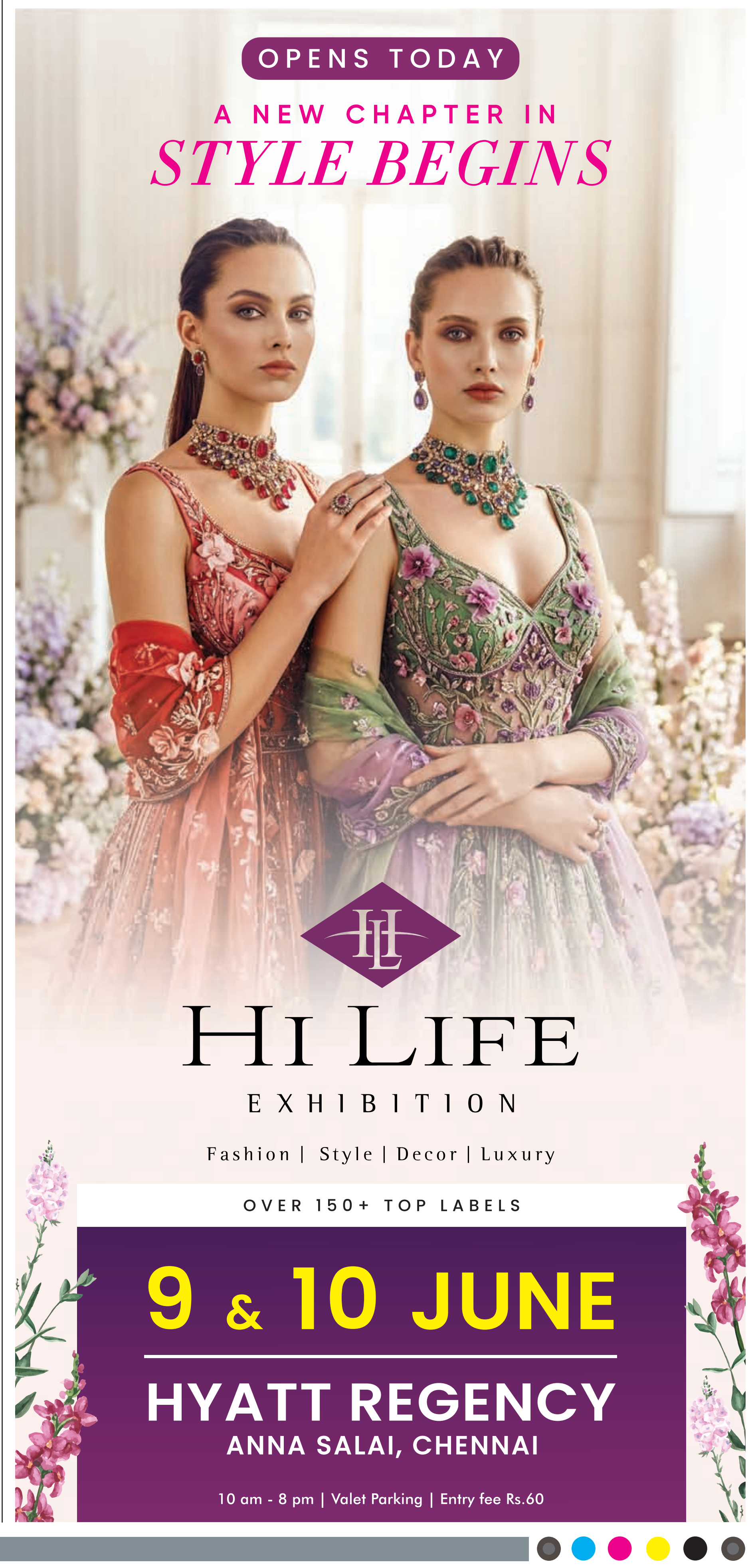

फिलीपीन में 7.8 तीव्रता का भूकंप

35 लोगों की मौत, सुनामी की लहरें उठीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फिलीपीन में आए सबसे शक्तिशाली भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के तट से दूर समुद्र में 33 किलोमीटर की गहराई पर था, जो सारंगानी प्रांत के मासिम शहर से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित था।

दावाओ (फिलीपीन)/एपी। दक्षिणी फिलीपीन में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया जिसमें कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक लोग घायल हो गए। हताहत हुए अधिकतर लोग क्षतिग्रस्त इमारतों में घायल अवस्था में मिले तथा भूकंप के कारण समुद्र में सुनामी की एक मीटर ऊंची लहरें भी उठीं।

अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन में कम से कम 17 लोग मारे गए और इसी के साथ इस क्षेत्र में भूकंप से मरने वालों की संख्या कम से कम 35 हो गई।

'जनरल सैंटोस' शहर में कुछ इमारतें ढह गईं और प्रमुख बुनियादी ढांचे को भूकंप से नुकसान पहुंचा। वहीं, समुद्र तट से सटे एक गांव में सुनामी से नुकसान की खबर मिली।

इंडोनेशिया और पलाऊ तथा दक्षिणी जापान में भी समुद्र में सुनामी की छोटी लहरें उठीं।

फिलीपीन ज्वालामुखी एवं भूकंप विज्ञान संस्थान के निदेशक टेरेसिटो बाकोलकोल ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया, ''यह भीषण भूकंप था और हमें नुकसान का अंदेशा था।'' उन्होंने लोगों को चेतावनी दी कि वे अपने क्षतिग्रस्त मकानों में लौटने से पहले परामर्श कर लें क्योंकि भूकंप के बाद के झटके आने का संदेह है। नागरिक सुरक्षा कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक रॉड सॉसमेना ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा, ''हमारी पिकअप ट्रक में अचानक झटका लगा और मुझे लगा कि टायर पंचर हो गया है।''

सॉसमेना ने बताया, ''भूकंप के झटके बहुत जोरदार थे और लोग अपने अपने घरों से निकलकर सड़कों पर आ गए थे।'' एक अन्य आपदा-प्रतिक्रिया अधिकारी एड्नार दयांगहिरंग ने कहा, ''भूकंप के झटके इतने जोरदार थे कि मैं मुश्किल से खड़ा हो पाया और दावाओ स्थित अपने घर से किसी तरह बाहर निकल पाया।'' भूकंप से जनरल सैंटोस को काफी नुकसान पहुंचा है। करीब सात लाख से अधिक लोगों की आबादी वाला यह बंदरगाह शहर देश के दक्षिणी मिंडानाओ क्षेत्र में टूना (मछली) प्रसंस्करण और अन्य व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र है।

पंचायती राज संस्थानों के कैग ऑडिट से कामकाज में होगा सुधार: नागेश्वरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को कहा कि पंचायती राज संस्थाओं को मिलने वाले कोष का देश के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के लेखापरीक्षा करने से इनके कामकाज में सुधार होगा और गांवों में जीवन यापन में सुगमता आएगी।

नागेश्वरन ने यहां कहा, ''कैग लेखापरीक्षा से हमें प्रत्येक राज्य में होने वाले कार्यों के बारे वास्तविक स्थिति का पता चलेगा। इससे एक ऐसा साक्ष्य आधारित आधार बनेगा जो वर्तमान में मौजूद नहीं है और संवैधानिक उद्देश्य और प्रशासनिक वास्तविकता के बीच के अंतर के लिए जवाबदेही तय होगी।'' उन्होंने पंचायती राज मंत्रालय से राज्य वित्त आयोगों के लिए आंकड़ों से जुड़ी समिति की इस सिफारिश को सक्रियता से लागू करने का आग्रह किया।

नागेश्वरन ने यह भी कहा कि राज्यों की राजकोषीय जवाबदेही के लिए एकसमान लेखा मदों को लागू करने की आवश्यकता है। इससे स्थानीय निकायों को किए जाने वाले सभी केंद्रीय हस्तांतरण का एक समान प्रबंधन सुनिश्चित होने के साथ तुलना संभव हो सके। राज्य वित्त आयोगों के लिए आंकड़ों पर समिति की रिपोर्ट जारी किए जाने के अवसर पर नागेश्वरन ने कहा, ''वास्तव में जो अधिकार हस्तांतरित किए गए हैं और जो वादे किए गए थे, उनका व्यवस्थित और स्वतंत्र मूल्यांकन किए बिना हम अंधेरे में तीर चला रहे हैं।'' केंद्र सरकार वित्त आयोगों के माध्यम से और स्थानीय निकाय अनुदान के जरिये राज्य सरकारों को धनराशि हस्तांतरित करती है। पंचायती राज मंत्रालय की इस रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि कैग 73वें संविधान संशोधन का प्रदर्शन ऑडिट करे, जिसने पंचायतों को संवैधानिक दर्जा दिया था। इस संशोधन में हर पांच साल में राज्य वित्त आयोगों के गठन का भी प्रावधान किया गया है। इस संशोधन में 29 कार्यों की सूची दी गई थी जिन्हें पंचायतों को हस्तांतरित किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''हमें स्वयं से यह प्रश्न अवश्य पूछना चाहिए कि संवैधानिक वादे का कितना हिस्सा वास्तव में पूरा हुआ है।'' नागेश्वरन के अनुसार, राज्यों की वित्तीय स्थिति का निर्धारण करने में वित्त आयोगों के सामने एक प्रमुख चुनौती विस्तृत राजकोषीय जानकारी का अभाव है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि स्थानीय सरकार स्तर के आंकड़ों को बनाए रखने और उसे नियमित रूप से अद्यतन करने के लिए राज्य सरकारों के भीतर स्थायी राज्य वित्त आयोग प्रकोष्ठ का गठन किया जा सकता है। इसमें कहा गया, ''आदर्श रूप से, इस प्रकोष्ठ को वित्त विभाग या योजना विभाग के अंतर्गत स्थापित किया जाना चाहिए।'' रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि केंद्र सरकार राज्यों को हस्तांतरित की जाने वाली राशि का निर्धारण करती है। लेकिन ग्राम पंचायत स्तर पर संरचना की कमी के कारण कोष का प्रभावी उपयोग नहीं हो पाता है। इसमें कहा गया, ''इसलिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि राज्य सरकारें और केंद्र सरकार दोनों ही इन आंकड़ों को एकत्रित और व्यवस्थित करने के लिए तत्काल और सक्रिय कदम उठाएं। इनके प्रारूप को मानकीकृत करें और यह सुनिश्चित करें कि ये सभी राज्य वित्त आयोगों के लिए उपलब्ध हों।''

मुंबई में बेस्ट बस कई वाहनों से टकराई, एक व्यक्ति की मौत व छह अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई की परिवहन सेवा 'बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट' (बेस्ट) की एक तेज रफ्तार बस सोमवार को दादर इलाके में दो कारों समेत कई वाहनों से टकरा गई, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि घायल हुए दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब 9.30 बजे प्लाजा सिनेमा इलाके में वीर कोतवाल उद्यान के नजदीक हुई, जिससे इलाके में यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ।

बेस्ट के यातायात विभाग द्वारा शाम को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, मार्ग संख्या 463 पर संचालित एक बस अनियंत्रित हो गई। इस हादसे में दो मोटरसाइकिल, एक टैक्सी और एक निजी कार भी क्षतिग्रस्त हो गईं।

बेस्ट ने घटना की जांच के लिए चार सदस्यीय एक समिति का गठन किया है।

एक निकाय अधिकारी ने बताया कि इस दुर्घटना में एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को निकाय संचालित सायन अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भारत, ब्रिटेन के बीच लंबित व्यापार मुद्दों पर बातचीत जारी: अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लागू करने के लिए दोनों देशों के बीच लंबित मुद्दों पर बातचीत आगे बढ़ रही है और इसमें अच्छी प्रगति हुई है। एक सरकारी अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों के बीच एफटीए से संबंधित कुछ अहम मुद्दों पर चर्चा जारी है जिनमें ब्रिटेन के इस्पात सुरक्षा-उपाय और कार्बन कर व्यवस्था शामिल हैं। इन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाने से व्यापार समझौता अभी लागू नहीं हो पाया है। दोनों देशों ने 24 जुलाई, 2025 को व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अधिकारी ने कहा, ''इस बारे में बातचीत अच्छी चल रही है। तीन लंबित मुद्दों में से एक पर सहमति बन चुकी है, जबकि बाकी दो मुद्दों पर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को प्रस्ताव एवं सवाल दिए हैं। दोनों पक्ष समाधान निकालने की प्रक्रिया में हैं।'' जब उनसे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की लंदन यात्रा की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अगर मुद्दे सुलझ जाते हैं तो इसकी संभावना हो सकती है।

अग्निशमन विभाग में पूर्व अग्निवीरों की भर्ती पर विचार करें : उपराज्यपाल संधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सोमवार को दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) में कर्मचारियों की कमी को दूर करने के लिए पूर्व अग्निवीरों को भर्ती करने के विकल्प पर विचार करने को कहा।

उन्होंने यह सुझाव मालवीय नगर इलाके में एक होटल में आग लगने की घटना के कुछ दिनों बाद आयोजित डीडीएमए की बैठक के दौरान दौरान दिया। इस अग्निकांड में 22 लोगों की मौत हो गई थी। संधू ने सोमवार को आयोजित दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, गृह मंत्री आशीष सूद, लोक निर्माण (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और दिल्ली सरकार के शीर्ष पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। बैठक में डीएफएस और नागरिक निगरानी तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ रिक्त पदों को भरने पर भी चर्चा हुई।

धारावी परियोजना में सिंगापुर और हांगकांग के आवास विकास मॉडल को अपनाया जाएगा : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि धारावी पुनर्विकास परियोजना को सिंगापुर और हांगकांग के आधुनिक आवास विकास की तर्ज पर लागू किया जाएगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, परियोजना के पहले चरण को मार्च 2028 तक पूरा करने और सौंपने का लक्ष्य रखा गया है। फडणवीस ने इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय निवासियों के हितों, आजीविका और उनकी अनूठी पहचान को बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है।

यह परियोजना एक बड़े पैमाने की शहरी नवीनीकरण पहल है, जिसका उद्देश्य मध्य मुंबई में स्थित इस झुग्गी बस्ती को एक आधुनिक एवं एकीकृत टाउनशिप में बदलना है। इस परियोजना को राज्य सरकार द्वारा अदानी समूह के साथ साझेदारी में लागू किया जा रहा है।

यहां एक बैठक में परियोजना की समीक्षा करते हुए फडणवीस ने कहा कि यह पुनर्विकास पहल धारावी के निवासियों का समग्र विकास करेगी। उन्होंने कहा, धारावी पुनर्विकास परियोजना केवल इमारतों के निर्माण के बारे में नहीं है। यह धारावी के निवासियों के समग्र विकास की एक पहल है, और वहां रहने वाले लोग ही इस परियोजना के केंद्र में होने चाहिए।

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि धारावी के औद्योगिक और सामाजिक ताने-बाने को संरक्षित किया जाना चाहिए तथा भले ही व्यावसायिक विकास इस परियोजना का हिस्सा है लेकिन जन कल्याण को इसमें सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी के तीन डिब्बे पटरी से उतरे

कुरुक्षेत्र/भाषा। हरियाणा के कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन के पास सोमवार को एक मालगाड़ी के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। यह घटना उस समय हुई जब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एक विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के लिए स्टेशन पर ही मौजूद थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मालगाड़ी कैथल की ओर से आ रही थी, तभी कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन के पास उसके तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। उन्होंने बताया कि एक डिब्बा बिजली के खंभे से टकरा गया, जिससे ट्रेन को बिजली आपूर्ति करने वाली प्रणाली (ओएचई)बाधित हो गई।

घटना के तुरंत बाद रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी दल मौके पर पहुंचे और राहत तथा मरम्मत कार्य शुरू किया।

अधिकारियों ने बताया कि रेलवे कर्मचारी नुकसान के आकलन के लिए पटरियों और 'ओवरहेड इक्विपमेंट' (ओएचई) की जांच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस हादसे के कारण इस रेल मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई है।

केंद्र के पास 80 दिनों तक बिजली उत्पादन के लिए पर्याप्त कोयला भंडार : किशन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार के पास 80 दिनों की बिजली उत्पादन जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त कोयला भंडार है। रेड्डी ने 2014 में सत्ता में आई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की उपलब्धियों के बारे में संवाददाताओं से कहा कि अर्जेंटीना में अधिग्रहित महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक में काम शुरू हो गया है और उत्पादन जल्द से जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री ने कहा, पहले कोयले की कमी रहती थी। अब भारत सरकार के पास 80 दिनों तक बिजली उत्पादन के लिए पर्याप्त कोयला भंडार है। मानसून शुरू होने के कारण भारी बारिश से कोयला उत्पादन में बाधा आ सकती है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशों का पालन करते हुए हमने 80 दिनों के लिए जरूरी कोयले का भंडारण कर रखा है। रेड्डी ने महत्वपूर्ण खनिजों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केंद्र सरकार महत्वपूर्ण खनिज भंडारों की पहचान कर रही है और अन्वेषण गतिविधियां जारी है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में अन्वेषण कार्य पूरा हो चुका है, वहां नीलामी भी शुरू हो गई है। रेड्डी ने बताया कि केंद्र सरकार निजी कंपनियों को भारत में संसाधित या अर्ध-संसाधित महत्वपूर्ण खनिजों का आयात करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान कोयला क्षेत्र में घोटाले सुर्खियां बटोरते थे।

आंध्र: मंत्री लोकेश का रूस दौरा समाप्त

तकनीक और औद्योगिक साझेदारियों की संभावना पर की चर्चा

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश सरकार में मंत्री नारा लोकेश ने सोमवार को 'सेंट पीट्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम'-2026 में कई उच्च स्तरीय बैठकों के बाद रूस की अपनी आधिकारिक यात्रा समाप्त की। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य आंध्र प्रदेश और रूस के बीच आर्थिक व तकनीकी सहयोग को मजबूत करना था। यह दौरा आंध्र प्रदेश में रूसी एल्युमीनियम कंपनी रूसाल के निवेश पर आधारित थी। कंपनी के नेतृत्व के साथ हुई चर्चा के दौरान दोनों पक्षों ने जारी परियोजनाओं की समीक्षा की और राज्य में एक एकीकृत एल्युमीनियम श्रृंखला विकसित करने के अवसरों को तलाशा। राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री लोकेश ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, रूस और भारत के बीच एक दीर्घकालिक व भरोसेमंद साझेदारी है। 'सेंट पीट्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम' 2026 के दौरान हमारी बैठकों ने उद्योग, प्रौद्योगिकी, स्मार्ट शहरों, गतिशीलता, कृत्रिम मेधा और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्र में सहयोग के नए रास्ते खोले हैं।

हवाई टिकट महंगा होने से लोग कर सकते हैं यात्रा से परहेज : आईएटीए मुख्य अर्थशास्त्री

रियो डी जेनेरियो/भाषा। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) की मुख्य अर्थशास्त्री और वरिष्ठ उपाध्यक्ष मैरी ओवेन्स थॉमसन ने कहा है कि हवाई यात्रा के बढ़ते किराये लोगों को विमान यात्रा करने से वंचित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस किराये में इस हद तक बढ़ोतरी करने की कोशिश करेंगी कि वे लागत की भरपाई कर सकें। लेकिन इसका कुछ लोगों पर प्रतिकूल असर हो सकता है और वे हवाई यात्रा करने से परहेज करेंगे क्योंकि कीमतों में अंतर से उनके विकल्पों पर असर पड़ेगा। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब एयरलाइन कंपनियां पश्चिम एशिया संकट से तेल कीमतों में आई तेजी से हुए नुकसान की भरपाई के लिए हवाई किराये में बढ़ोतरी कर रही हैं। एक अनुमान के अनुसार, 2026 में विमान ईंधन की कीमतें पिछले साल की तुलना में 70 प्रतिशत अधिक होंगी। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ 370 से अधिक एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करता है।

'इंडि' गठबंधन : नेताओं ने बड़ा दिल दिखाने और एकजुट होकर भाजपा को चुनौती देने का सुझाव दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडि' की बैठक में शामिल कई नेताओं ने पुराने गिले-शिकवे भूलकर, बड़ा दिल दिखाते हुए और एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा मोदी सरकार को चुनौती देने का सुझाव दिया।

सूत्रों ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने इस बात की जोरदार पैरवी की कि गठबंधन में शामिल दलों को एक दूसरे की आलोचना करने से बचना चाहिए। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद इस गठबंधन को लेकर उनके रुख में बड़ा बदलाव आया है। बैठक में ममता और कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के बीच गर्मजोशी भरी मुलाकात भी हुई। सूत्रों ने बताया कि बैठक औपचारिक रूप से शुरू होने से पहले ममता ने सोनिया गांधी से करीब 10 मिनट लंबी बातचीत की। कांग्रेस ने दोनों नेताओं की एक-दूसरे को गले लगाते हुए तस्वीर भी अपने सोशल मीडिया मंच पर साझा की।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तर्क दिया कि यदि विपक्षी दलों को भाजपा और मोदी सरकार को सफलतापूर्वक चुनौती देनी है तो उनके बीच आपसी विश्वास और एकजुटता आवश्यक होगी।

बैठक में शामिल एक नेता ने बताया, ''राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस और 'इंडि' के अन्य घटक एक तरफ हैं और दूसरी तरफ भाजपा-आरएसएस है। उन्होंने नागरिक समाज आंदोलनों के साथ अधिक जुड़ाव का भी आह्वान किया और आवश्यकता पड़ने पर गठबंधन के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में योगदान देने की इच्छा का संकेत दिया।''

राहुल गांधी के बगल में बैठे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी गठबंधन के भीतर किसी तरह की कड़वाहट नहीं होने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सूत्रों के अनुसार, यादव ने कहा कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को ''बड़ा दिल दिखाना चाहिए'' और अलग-अलग राज्यों में भाजपा के विरुद्ध खड़े सबसे मजबूत दल का समर्थन करना चाहिए।

पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव ने तर्क दिया कि जो लोग मानते हैं कि ममता बनर्जी हार गई हैं, वे गलत हैं, बल्कि सच यह है कि संस्थागत कारणों ने इस परिणाम में भूमिका निभाई।

लगभग ढाई घंटे चली बैठक में शामिल एक सांसद ने बताया, ''ममता बनर्जी ने कहा कि उन्हें 90 फीसदी यकीन है कि उनका जनादेश लूट लिया गया है। अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव ने कहा कि वे 40 फीसदी आश्वस्त हैं। राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें 100 फीसदी यकीन है कि हाल के चुनावों में जनादेश चोरी हुआ है।''

राजद नेता तेजस्वी यादव ने तर्क दिया कि विपक्ष को तत्काल चुनावी मुकाबलों से आगे बढ़कर 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए व्यवस्थित रूप से तैयारी शुरू करने की जरूरत है। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने कहा कि गठबंधन को जमीन पर सक्रिय रहना चाहिए और भाजपा के खिलाफ निरंतर अभियान चलाना चाहिए। बैठक में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गठबंधन सहयोगियों के बीच निरंतर बैठकों का प्रस्ताव रखा और तर्क दिया कि हाल के चुनावों से मुख्य सबक यह है कि बेहतर समन्वय की जरूरत है।

'भव्य' योजना से भारी निवेश आकर्षित करने, रोजगार सृजित करने में मदद मिलेगी : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि 33,660 करोड़ रुपए की 'भारत औद्योगिक विकास योजना' (भव्य) के तहत विकसित किए जाने वाले 100 औद्योगिक पार्क निवेश को बढ़ावा देने, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करने और आधुनिक सामाजिक अवसंरचना उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगें। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 18 मार्च को देशभर में 100 परिचालन के लिए तैयार औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए इस योजना को मंजूरी दी थी। ये ऐसे औद्योगिक पार्क होंगे जहां सारी जरूरी सुविधाएं पहले से तैयार हों और कंपनी अपना काम फौरन शुरू कर सके। योजना का उद्देश्य विश्वस्तरीय औद्योगिक अवसंरचना विकसित करना, विनिर्माण क्षमता को बढ़ावा देना और देश की आर्थिक वृद्धि को गति देना है। गोयल ने यहां योजना को लागू करने के लिए एक पोर्टल की शुरुआत करते हुए कहा, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह योजना देशभर में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिहाज से परिवर्तनकारी साबित हो। उन्होंने कहा, ''हमें पहले से ही उद्योग जगत की इसमें काफी रुचि देखने को मिल रही है और मेरा मानना है कि सरकार द्वारा इन 100 औद्योगिक पार्क के लिए आवंटित 34,000 करोड़ रुपए की राशि से बड़े पैमाने पर निवेश को बढ़ावा मिलेगा, महत्वपूर्ण रोजगार सृजित होंगे।

गोवा समुद्र तटों पर अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ड्रोन तैनात करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन खुंटे ने सोमवार को कहा कि राज्य का पर्यटन विभाग अवैध गतिविधियों पर नजर रखने और समुद्र तटों की लगातार निगरानी के लिए ड्रोन तैनात करेगा।

उन्होंने कहा कि समुद्र तटों की निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ड्रोन के जरिए समुद्र तटों पर कूड़ा-कचरा, अतिक्रमण, दलाली और अन्य अवैध गतिविधियों की निगरानी की जाएगी।

खुंटे राज्यभर के 'बीच शैक' संघ के प्रतिनिधियों की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में समाप्त होने वाली बीच शैक नीति की अवधि को एक वर्ष के लिए और बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि जिन बीच शैक (समुद्र तट पर बने अस्थायी विश्राम स्थल) को मई के अंत तक हटाया जाना था, उन्हें मौसम की स्थिति को देखते हुए 10 जून तक अपना संचालन जारी रखने की अनुमति दी गई है। मंत्री ने बताया कि शैक मालिकों को 15 अगस्त से पहले नवीनीकरण के लिए आवेदन जमा करने को कहा गया है, ताकि उन्हें एक सितंबर तक लाइसेंस जारी किए जा सकें। इससे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन सीजन शुरू होने से काफी पहले सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी हो जाएंगी।

नशे की गिरफ्त में आए युवा अपराधी नहीं, पीड़ित हैं : सुक्खू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को कहा कि नशे की लत का शिकार होने वाले युवा अपराधी नहीं हैं और राज्य सरकार उनके उपचार एवं पुनर्वास के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

सुक्खू ने यहां महिलाओं के लिए राज्य के पहले नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश में मादक पदार्थों के सेवन, विशेषकर 'चिट्टा' (हेरोइन) के बढ़ते प्रचलन को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि यह एक गंभीर सामाजिक, पारिवारिक और मानवीय चुनौती है। यहां जारी एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जन-जागरूकता अभियान चलाकर और मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करके इस समस्या से प्रारंभिक स्तर पर ही निपटने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए स्थापित यह केंद्र राज्य का अपनी तरह का पहला विशेष सरकारी संस्थान है, जो केवल उपचार ही नहीं, बल्कि महिलाओं को सम्मानपूर्वक नया जीवन शुरू करने में भी सहायता प्रदान करेगा। इस केंद्र में महिलाओं को सुरक्षित आवास, चिकित्सा सुविधा, मनोवैज्ञानिक परामर्श, पुनर्वास सेवाएं, सामाजिक पुनर्समावेशन सहायता तथा परिवार-आधारित सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी प्रकार का एक और केंद्र कांगड़ा जिले के डॉ. राजेंद्र प्रसाद सरकारी मेडिकल कॉलेज में स्थापित किया जाएगा।

सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार की नीति नशे के शिकार लोगों के प्रति सहानुभूति और मादक पदार्थों के तस्करों के प्रति सख्ती पर आधारित है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने गत वर्ष 15 नवंबर को शिमला से 'चिट्टा-निरोधक जन आंदोलन' शुरू किया था, जो अब युवाओं, पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षकों, स्वयंसेवी संगठनों और आम नागरिकों की भागीदारी वाला एक व्यापक सामाजिक अभियान बन चुका है।

तमिलनाडु औद्योगिक और स्टार्टअप क्षेत्र में अग्रणी, रानीपेट चमड़ा उद्योग और रक्षा क्षेत्र को मिला बड़ा बढ़ावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी)की संयुक्त सचिव सुश्री निधि केसरवानी ने सोमवार को तमिलनाडु के औद्योगिक विकास और स्टार्टअप इकोसिस्टम की व्यापक समीक्षा की। रानीपेट स्थित रानिटेक कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) में 'स्टार्टअपटीएन' के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक में उन्होंने राज्य के मजबूत आर्थिक प्रदर्शन की सराहना की।

संयुक्त सचिव ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में तमिलनाडु ने 117 की वास्तविक जीएसडीपी वृद्धि दर्ज की है। साथ ही, 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देते हुए राज्य ने 2,521 नियामक अनुपालनों को कम करने में सफलता हासिल की है। बैठक में यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई कि तमिलनाडु का चमड़ा क्षेत्र अब विशेष सामग्रियों की आपूर्ति के माध्यम से भारत के रक्षा गलियारे में सक्रिय योगदान दे रहा है। वर्तमान में 35 से अधिक प्रमुख रक्षा कंपनियां राज्य में सक्रिय हैं और 30 अन्य कंपनियां विकास के चरण में हैं, जो राज्य में एक एकीकृत औद्योगिक इकोसिस्टम का निर्माण कर रही हैं। संयुक्त सचिव ने निधि केसरवानी ने कहा कि तमिलनाडु का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और बौद्धिक संपदा (आईपी) पंजीकरण में किया गया कार्य सराहनीय है। राज्य पारंपरिक विनिर्माण से आगे बढ़कर अब प्रौद्योगिकी-आधारित और निर्यात-उन्मुख विकास की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। भविष्य की योजनाओं को साझा करते हुए संयुक्त सचिव ने विभाग के दूरदर्शी सुधार एजेंडा 2026 की रूपरेखा पेश की।

तमिलनाडु में 397 करोड़ रुपये के ट्रांसफार्मर घोटाले में सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। सीबीआई ने तमिलनाडु में वी. सेंथिल बालाजी के 2021 से 2023 के बीच राज्य का बिजली मंत्री रहने के दौरान ट्रांसफार्मर की खरीद से संबंधित 397 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एजेंसी ने चेन्नई स्थित टीएएनजीईडीसीओ के निविदा आमंत्रण प्राधिकरण और निविदा जांच समिति के तत्कालीन अधिकारियों, अन्य लोक सेवकों, निजी व्यक्तियों और ठेकेदारों के खिलाफ आईपीसी की आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी से संबंधित धाराओं के साथ-साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है।

एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि 2021, 2022 और 2023 में टीएएनजीईडीसीओ द्वारा 25 केवीए से लेकर 500 केवीए तक की विभिन्न विशिष्टताओं वाले ट्रांसफार्मर की आपूर्ति के लिए जारी निविदाओं में भ्रष्टाचार हुआ, जिसके परिणामस्वरूप बोली लगाने वालों को अनुचित लाभ हुआ और सरकारी खजाने को 397 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सीबीआई की यह कार्रवाई उच्चतम न्यायालय द्वारा ट्रांसफॉर्मर की खरीद में कथित घोटाले की सीबीआई जांच का निर्देश देने वाले मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार करने के लगभग एक महीने बाद हुई है। मद्रास उच्च न्यायालय ने 29 अप्रैल को तमिलनाडु सरकार द्वारा 45,000 ट्रांसफार्मर की खरीद में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच का आदेश दिया। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद, बालाजी ने यह दावा किया था कि निविदा प्रक्रिया में सभी प्रक्रियाओं का विधिवत पालन किया गया था और ट्रांसफार्मर की खरीद में कोई अनियमितता नहीं की गई थी। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता ने यह भी कहा था कि खरीद प्रक्रियाएं 1987 से लागू हैं और अब तक उन्हीं प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। उच्च न्यायालय का यह आदेश उन आरोपों के बाद आया है कि राज्य के खजाने को 2021 और 2023 के बीच 397 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

टीवीके सरकार के खिलाफ 'आलोचनात्मक' वीडियो पोस्ट करने के आरोप में यूट्यूबर मारिदास गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। चेन्नई शहर पुलिस की एक विशेष टीम ने सोमवार को प्रसिद्ध यूट्यूबर मारिदास को कथित तौर पर तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार, मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय और राज्य के कई मंत्रियों को निशाना बनाकर कई आलोचनात्मक वीडियो पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मारिदास को सूर्य नगर स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि उन्हें फिलहाल चेन्नई लाया जा रहा है। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''जिन धाराओं के तहत उन पर मामला दर्ज किया गया है, उनकी पूरी जानकारी आगे की जांच के बाद उपलब्ध कराई जाएगी।''

पुलिस सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार के कामकाज के खिलाफ लगातार लगाए जा रहे आरोपों और आलोचनात्मक टिप्पणियों के बाद, चेन्नई पुलिस के साइबर अपराध विभाग ने यूट्यूबर के खिलाफ स्वयं ही मामला दर्ज किया। चेन्नई से साइबर अपराध शाखा की एक विशेष टीम सोमवार को मदुरै पहुंची। मदुरै नगर पुलिस की सहायता से मारिदास को सूर्य नगर स्थित उनके आवास से हिरासत में लिया गया। उन्हें आगे की पूछताछ के लिए चेन्नई लाया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में 'फॉलोअर' रखने वाले मारिदास अतीत में अपनी राजनीतिक टिप्पणियों के कारण अक्सर विवादों में घिरे रहे हैं और उनके खिलाफ कई पुलिस मामले दर्ज किए गए हैं। इस बीच, तमिलनाडु में विपक्षी नेताओं ने पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार पर तानाशाही और राजनीतिक असहिष्णुता का आरोप लगाया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता तमिलिसाई सौंदरराजन ने तिरुचिरापल्ली में पत्रकारों से बातचीत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सत्तारूढ़ सरकार के रुख में बदलाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, सत्ता में आने से पहले मुख्यमंत्री विजय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बारे में जोर-शोर से बात करते थे और सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वालों की गिरफ्तारी की निंदा करते थे। हालांकि, मौजूदा शासन असहिष्णुता दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि मारिदास ने निजी हमले किए बिना आंकड़ों के आधार पर प्रशासनिक कमियों की ओर इशारा किया था।

उन्होंने संस्थागत पक्षपात का आरोप भी लगाया और एक अन्य यूट्यूबर मुख्तार के खिलाफ पुलिस कार्रवाई नहीं होने का हवाला दिया। मुख्तार ने कथित तौर पर पूर्व मुख्यमंत्री के. कामराज के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी। हालांकि, तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल ने कहा कि वह मारिदास की गिरफ्तारी की निंदा करती हैं, लेकिन महिलाओं पर की गई टिप्पणियों के खिलाफ हैं। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में नाम तमिलर काची (एनटीके) के मुख्य समन्वयक सीमन ने गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध का स्पष्ट कृत्य करार दिया और मारिदास की तत्काल रिहाई की मांग की।

उन्होंने कहा, सरकार की आलोचना करने वाले लोगों की तुरंत गिरफ्तारी, जबकि दिनदहाड़े हत्याओं, यौन हमलों और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल गंभीर अपराधियों के खिलाफ ऐसी कड़ी कार्रवाई नहीं होती। यह बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन को मारिदास की टिप्पणियां मानहानिकारक लगती थीं, तो उसे बिना उचित जांच के तत्काल गिरफ्तार करने के बजाय कानूनी रास्ता अपनाना चाहिए था।

अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) के महासचिव टीटीवी दिनाकरन ने प्रशासनिक कमियों और मंत्रियों के कामकाज की आलोचना करने पर मारिदास की गिरफ्तारी को टीवीके सरकार का तानाशाही रवैया करार दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री विजय से आग्रह किया कि लोकतंत्र द्वारा नागरिकों को दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने वाली गतिविधियां तुरंत रोकी जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि सत्तारूढ़ प्रशासन को प्रतिशोधात्मक कदम उठाने के बजाय आलोचना को रचनात्मक ढंग से स्वीकार करना चाहिए और प्रगतिशील पहलों पर ध्यान देना चाहिए।

तमिलनाडु बिजली बोर्ड इस वर्ष करीब 15 हजार कर्मियों की भर्ती करेगा : बिजली मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के बिजली मंत्री आर. निर्मल कुमार ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य बिजली बोर्ड मानव बल की कमी को दूर करने के लिए इस वर्ष कम से कम 15,000 स्थायी कर्मचारियों की भर्ती करेगा। मंत्री ने यह भी बताया कि संस्थागत भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए सभी विभागों में नवगठित तीन-समिति निविदा नीति लागू की गई है, जिससे खरीद लागत में राज्य के खजाने में 35 प्रतिशत की बचत होने का अनुमान है। कुमार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बिजली विभाग वर्तमान में 70,000 कर्मियों की भारी कमी से जूझ रहा है।

कुमार ने कहा, ''हमें कर्मचारियों की सख्त जरूरत है। पहले कदम के तौर पर हम इस साल कम से कम 15,000 स्थायी कर्मचारियों की भर्ती का प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं। यह मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के निर्देशों के तहत शुरू किया गया है। इन पदों पर कोई अस्थायी या संविदा आधार पर नियुक्ति नहीं होगी।''

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री से परामर्श के बाद कुछ हफ्तों के भीतर 5,500 गैंगमैन' की लंबित भर्ती के संबंध में भी निर्णय की घोषणा कर दी जाएगी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने प्रज्ञानानंदा को 50 लाख रुपये का पुरस्कार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को सोमवार को यहां 50 लाख रुपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रज्ञानानंदा ने ओस्लो में अंतिम दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर खिताब जीता था। मुख्यमंत्री ने प्रज्ञानानंदा को सम्मानित करने के बाद इस युवा ग्रैंडमास्टर के साथ शतरंज की एक बाजी भी खेली।

प्रज्ञानानंदा ने नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता में जीत को अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि मैग्नस कार्लसन सहित दुनिया के कुछ शीर्ष खिलाड़ियों को हराना इस खिताब को विशेष रूप से यादगार बनाता है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 2013 में हुई थी और इससे पहले कोई भी भारतीय खिलाड़ी इसे जीत नहीं पाया था।

पति की हत्या करके उसके शव के टुकड़े करने के आरोप में महिला और उसका दोस्त गिरफ्तार

चेन्नई। चेन्नई में अपने पति की हत्या करने, उसके शव के टुकड़े करने और फिर अवशेषों को चेन्नई के अलग-अलग इलाके में ठिकाने लगाने के आरोप में एक महिला और उसके दोस्त को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। हत्या का मामला तब सामने आया जब पांच जून को पेरम्बूर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार पर सीढ़ियों के पास एक सूटकेस में पैक किया गया मानव धड़ मिला। यात्रियों ने दुर्गंध की सूचना राजकीय रेलवे पुलिस को दी थी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में तब सफलता मिली जब लावारिस सूटकेस के अंदर से एक मेडिकल अपशिष्ट निपटान बैग मिला, जिसमें एक क्षत-विक्षत पुरुष का धड़ था। पीड़ित की पहचान असम निवासी 40 वर्षीय अमीर अली के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि अली, उसकी पत्नी रुहीमा और उसका मित्र अशरफ अली सभी असम के निवासी थे और चेन्नई आने वाले बाहरी रोगियों की सहायता करके अपना जीवन यापन करते थे। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि घरेलू विवाद इस अपराध का कारण बना। बताया जाता है कि रुहीमा अपने पति के किसी अन्य महिला के साथ कथित संबंध से नाराज थी, जिसके कारण अक्सर झगड़े होते थे और हाल ही में अली ने उसे धमकी भी दी थी। पुलिस ने कहा कि रुहीमा और अशरफ ने मिलकर साजिश रची और अली को बेहोश करने वाली दवा दी, जिसके बाद उन्होंने तेयनमपेट स्थित अपने घर में चाकू से अली का गला काट दिया। अपराध को छिपाने के लिए, दोनों ने शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और अवशेषों को शहर भर में अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया। सीसीटीवी फुटेज की जांच और पूछताछ के दौरान रुहीमा के बयानों में विसंगतियों के कारण उसकी गिरफ्तारी हुई। शव के धड़ को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी किलपॉक मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है, जबकि पीड़ित के कटे हुए सिर और शरीर के अन्य लापता अंगों को बरामद करने के लिए गहन तलाश अभियान जारी है।

विजयन ने हिटलर से 'प्रेरणा' वाली टिप्पणी के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की उस टिप्पणी की सोमवार को कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने राज्य की अतिक्रमण-रोधी एजेंसी 'हाइड्रा' को नाजी तानाशाह एडॉल्फ हिटलर से प्रेरित बताया था।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि यह बयान चौंकाने वाला और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ था। विजयन ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि रेड्डी ने सार्वजनिक तौर पर और गर्व से दावा किया था कि हाइड्रा इतिहास के सबसे कुख्यात तानाशाहों में से एक हिटलर से प्रेरित है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि एक लोकतांत्रिक देश के मुख्यमंत्री ने खुलेआम हिंसा और तानाशाही से जुड़ी व्यवस्था से प्रेरणा लेने की बात कही है।

इन टिप्पणियों को ''शर्मनाक'' बताते हुए विजयन ने कहा कि यह चिंताजनक है कि कांग्रेस के मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक रूप से एक ऐसे व्यक्ति की प्रशंसा की, जिसे व्यापक रूप से फासीवाद का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि रेड्डी की टिप्पणियां असावधानीवश की गई बयानबाजी नहीं है, बल्कि कांग्रेस पार्टी के अंतर्निहित राजनीतिक चरित्र को दर्शाती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री का संघ परिवार के साथ अतीत में जुड़ाव रहा है, जिससे उनके ऐसे विचार हैं। दरअसल, रेड्डी ने शनिवार को बेंगलूरु में एक कार्यक्रम में कहा था कि उन्होंने हैदराबाद में झीलों, नालों और अन्य जल निकायों पर व्यापक अतिक्रमण को देखते हुए 'हाइड्रा' की स्थापना करने का निर्णय लिया।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने इस नाम पर कहा था, ''हाइड्रा हिटलर का पसंदीदा शब्द था। उसकी कोर टीम, जो किसी की भी हत्या कर सकती थी, को हाइड्रा कहा जाता था। इसलिए मैंने हिटलर से प्रेरणा लेकर इसका नाम हाइड्रा रखा है।'' तेलंगाना सरकार ने जुलाई 2024 में हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) की स्थापना की थी, ताकि झीलों जैसी सरकारी संपत्तियों को अतिक्रमण और अन्य अवैध गतिविधियों से बचाया जा सके।

आईआईटी-मद्रास ने तीसरे ब्रिक्स 'तंत्रिका विज्ञान' संगोष्ठी की मेजबानी की

चेन्नई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास ने 'तीन-दिवसीय तृतीय ब्रिक्स तंत्रिका विज्ञान संगोष्ठी 2026' की मेजबानी की, जो भारत में पहली बार आयोजित किया गया। आईआईटी-मद्रास के 'सुधा गोपालकृष्णन ब्रेन सेंटर'' (एसजीबीसी) द्वारा आयोजित यह संगोष्ठी पांच से सात जून तक आयोजित की गयी। इसका उद्देश्य तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान और इससे जुड़ी प्रौद्योगिकियों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सशक्त बनाने पर केंद्रित था।

आयोजन का प्रमुख आकर्षण एसजीबीसी द्वारा 'ह्यूमन ब्रेनस्टेम एटलस' का विमोचन था। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने वैश्विक सहयोग के महत्व पर जोर दिया और कहा कि भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, जो इस वर्ष सितंबर में समाप्त होगी। मिसरी ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि इस संगोष्ठी द्वारा किया जा रहा कार्य भी अपने तरीके से ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की सफलता में योगदान देगा।''

मुझे तो यह भी नहीं पता एलआईसी का दफ्तर कहां है, खुदरा शेयरधारकों को लाभ ही होगा : राजेश एक्सपोर्ट्स

नई दिल्ली/बेंगलूरु। राजेश एक्सपोर्ट्स के चेयरमैन राजेश मेहता ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के निवेश निर्णयों से खुद को अलग कर लिया है। उन्होंने कहा कि स्थिति चाहे जो भी हो, आम खुदरा शेयरधारकों को लाभ ही होगा। कंपनी पर नियामकीय दबाव और समस्याओं में घिरी स्वर्ण आभूषण कंपनी में एलआईसी के निवेश को लेकर चिंताओं के बीच उन्होंने यह बात कही। मेहता ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, ''एलआईसी ने ये शेयर कल या पिछले साल नहीं खरीदे हैं। एलआईसी की ये खरीदारी लगभग 20 वर्षों की अवधि में हुई है। एलआईसी ने ये शेयर खुले बाजार से, शेयर बाजार से खरीदे हैं।'' वर्तमान में, एलआईसी की राजेश एक्सपोर्ट्स में 10.80 प्रतिशत हिस्सेदारी है। मेहता ने स्पष्ट रूप से कहा कि एलआईसी द्वारा शेयरों के अधिग्रहण में न तो उनकी और न ही अन्य प्रवर्तकों की कोई भूमिका थी। उन्होंने कहा, ''किसी भी प्रवर्तक ने कभी भी अपने शेयर एलआईसी को नहीं बेचे हैं। कंपनी ने कभी भी एलआईसी को कोई शेयर जारी नहीं किए हैं। एलआईसी द्वारा शेयरों की खरीद से कंपनी या प्रवर्तकों को किसी भी तरह का लाभ नहीं हुआ है।'' मेहता ने कहा कि कंपनी का एलआईसी के निवेश निर्णयों से कोई संबंध नहीं है और न ही उसे इसकी कोई जानकारी है। उन्होंने कहा, ''हमें तो यह भी नहीं पता कि एलआईसी का कार्यालय कहां है। हमारा उनसे कोई संपर्क नहीं है, कोई संबंध नहीं है। द्वितीयक बाजार के माध्यम से शेयर खरीदने का यह निर्णय उनका अपना सूझ-बूझ से लिया गया व्यावसायिक निर्णय है।''

राजेश एक्सपोर्ट्स के शेयर में भारी गिरावट के बावजूद, मेहता ने अपने आकलन के आधार पर भरोसा जताया कि एलआईसी को अभी तक नुकसान नहीं हुआ है।

कांग्रेस ने भाजपा पर देवेगौड़ा को राज्यसभा उम्मीदवार बनाने से इनकार करने का आरोप लगाया

बेंगलूरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ दल कांग्रेस ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि उसने जद(एस) के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा को राज्य से लगातार दूसरी बार राज्यसभा भेजने से इनकार कर दिया।

कांग्रेस ने यह भी दावा किया कि देवेगौड़ा को राज्यसभा उम्मीदवार बनाने से इनकार कर भाजपा ने कर्नाटक की जनता का अपमान किया है। रविवार देर रात भाजपा ने प्रोफेसर एम नागराज को राज्यसभा चुनाव के लिए कर्नाटक से अपना उम्मीदवार घोषित किया। विधानसभा में अपनी मौजूदा संख्या के आधार पर पार्टी कर्नाटक की चार सीटों में से एक सीट जीत सकती है। यह चुनाव 18 जून को चुनाव होना है। कर्नाटक से देवेगौड़ा समेत राज्यसभा के चार सदस्यों का इस महीने के अंत में कार्यकाल समाप्त होने के कारण यह चुनाव कराने की जरूरत पड़ी है। खबरों के मुताबिक, भाजपा की सहयोगी पार्टी जनता दल (एस) को उम्मीद थी कि भाजपा उसके वरिष्ठ नेता को फिर से राज्यसभा भेजेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कल भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा को राज्यसभा भेजने से इनकार कर दिया और पूर्व प्रधानमंत्री के बजाय एम नागराज को चुना।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा और उसके नेतृत्व द्वारा जद(एस) का लगातार किया जा रहा अपमान और महज मंत्री बने रहने के लिए एच डी कुमारस्वामी का बार-बार इसे स्वीकार करना बेहद चौंकाने वाला है।'' कुमारस्वामी, देवेगौड़ा के पुत्र और केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री हैं।

सुरजेवाला ने उल्लेख किया कि मई 2019 के आम चुनावों में भाजपा के जी.एस. बसवराजु ने तुमकुरु लोकसभा सीट पर देवेगौड़ा को हराया था, लेकिन कांग्रेस पार्टी और उसकी नेता सोनिया गांधी ने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा की प्रतिष्ठा का सम्मान करते हुए, उनके उच्च सदन में चुने जाने के लिए समर्थन दिया था। उन्होंने कहा, ''दरअसल, देवेगौड़ा ने पहले भी भाजपा के प्रति अपने कड़े विरोध को दोहराया था और यहां तक कि सार्वजनिक रूप से यह भी कहा था कि अगर कुमारस्वामी भाजपा से हाथ मिलाते हैं तो वह उनका साथ छोड़ देंगे।''

इन सभी दावों के बावजूद, अक्टूबर 2023 में जद(एस) और कुमारस्वामी ने भाजपा के साथ गठबंधन किया और कुमारस्वामी, मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री बने। सुरजेवाला ने कहा कि अब भाजपा ने देवेगौड़ा को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाने से इनकार कर दिया है और पूर्व प्रधानमंत्री के बजाय अपने नेता को चुना है। उन्होंने कहा, ''इससे पता चलता है कि कर्नाटक में जद(एस) का एकमात्र मकसद किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करना है।'' प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने कहा कि भाजपा द्वारा देवेगौड़ा को राज्यसभा सीट देने से इनकार करना न केवल उनका और क्षेत्रीय पार्टी का, बल्कि कर्नाटक की जनता का भी अपमान है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''भाजपा और राजग ने कर्नाटक की जनता का अपमान किया है।

SBI स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
स्थानीय प्रधान कार्यालय, 16, कॉलेज लेन, चेन्नई-600006, दूरभाष: 044 28308428

जल आधारित स्थिर अग्निशमन प्रणाली की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, चालू करना (एसआईटीसी) और मरम्मत के लिए निविदा आमंत्रण सूचना

एसबीआई, तमिलनाडु के चेन्नई स्थित स्थानीय प्रधान कार्यालय के लिए जल आधारित स्थिर अग्निशमन प्रणाली की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, चालू करना (एसआईटीसी) और मरम्मत हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। विवरण और आवेदन पत्र डाउनलोड करने के लिए, **https://sbi.bank.in/web/sbi-in-the-news/procurement-news** पर जाएं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 01.07.2026 है।

स्थान: चेन्नई
दिनांक: 09.06.2026
सहायक महाप्रबंधक
(परिसर एवं संपदा)

राज्यसभा चुनाव

भाजपा उम्मीदवार सतीश पूनिया और अल्का गुर्जर ने दाखिल किए नामांकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवारों-- सतीश पूनिया और अल्का गुर्जर ने सोमवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल किए। इससे पहले विधानसभा में भाजपा विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि पूनिया और गुर्जर का अनुभव न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए लाभकारी होगा। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में इन दोनों का प्रवेश राज्य के लिए गर्व का विषय होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अभूतपूर्व विकास देखा है और राजस्थान में डबल इंजन सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जनकल्याण के लिए काम कर रही है।

उन्होंने ग्राम विकास रथ, ग्राम विकास चौपाल और वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान जैसी योजनाओं का उल्लेख किया, जिनसे विकास और जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप मिला है। शर्मा ने विधायकों से मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने आह्वान किया। बैठक के बाद पूनिया और गुर्जर ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किए। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और संगठन महामंत्री अजय कुमार मौजूद रहे। राजस्थान से राज्यसभा की तीन सीट के लिए चुनाव 18 जून को होंगे। यह चुनाव इसलिए हो रहा है क्योंकि 21 जून को कांग्रेस सांसद नीरज डांगी और भाजपा सांसद राजेंद्र गहलोत तथा रवनीत सिंह का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। कांग्रेस ने डांगी को उम्मीदवार बनाया है। राजस्थान में कुल 10 राज्यसभा सीट हैं, जिनमें भाजपा और कांग्रेस के पास पांचपांच सदस्य हैं। भाजपा के दो सीट जीतने की संभावना है, जबकि कांग्रेस एक सीट पर काबिज हो सकती है। विधानसभा में भाजपा के पास 118 विधायक, कांग्रेस के पास 67 विधायक हैं। अन्य दलों में बहुजन समाज पार्टी के दो, भारत आदिवासी पार्टी के चार और राष्ट्रीय लोक दल का एक विधायक है, जबकि आठ निर्दलीय सदस्य भी हैं।

विद्यार्थियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में अहम भूमिका निभा रहा 'शाला संवाद'

जयपुर। डिजिटल युग में शिक्षा को नई दिशा देने के उद्देश्य से राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा विकसित शाला दर्पण पोर्टल विद्यार्थियों के लिए एक समग्र शैक्षणिक मंच के रूप में स्थापित हो चुका है। विशेष रूप से पोर्टल का 'स्कूल – शाला संवाद' सेक्शन विद्यार्थियों के लिए ज्ञान का भंडार साबित हो रहा है, जहां कक्षा 1 से 12 तक के लिए विविध और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई है। इसमें विद्यार्थियों को न केवल अध्ययन सामग्री का भंडार मिलता है, साथ ही विषयवार वीडियो लेक्चर, एनसीईआरटी और आरबीएसई पाठ्यक्रम आधारित ई-कॉन्टेंट, विस्तृत प्रश्न बैंक, दूरदर्शन द्वारा प्रसारित शैक्षणिक कार्यक्रमों की सामग्री और ई-पत्रिकाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। यह सामग्री विद्यार्थियों को कठिन विषयों को सरल तरीके से समझने में मदद करती है और परीक्षा की तैयारी को अधिक व्यवस्थित बनाती है। छात्र लॉगिन करके इस पठन एवं डिजिटल सामग्री को प्राप्त कर सकते हैं।

शाला दर्पण पोर्टल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल पाठ्य सामग्री तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रदान करता है।

जयपुर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, कई धार्मिक स्थल टूटेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) शहर के एक क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के लिए उसकी सीमा में आने वाले धार्मिक स्थलों को हटाने के उद्देश्य से सोमवार को अतिक्रमण विरोधी अभियान चला रहा है जिसके तहत दो मंदिर और एक मस्जिद समेत पांच धार्मिक ढांचों को हटाया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, एहतियात के तौर पर प्रशासन ने शहर के कई इलाकों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित कर दी हैं। शहर के जगतपुरा स्थित नंदपुरी अंडरपास क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए करीब 3,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। अभियान के तहत रेलवे लाइन के समानांतर सड़क को 80 फुट तक चौड़ा किया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार, सड़क की निर्धारित सीमा में आने वाले पांच धार्मिक ढांचोंएक मस्जिद, दो मंदिर, एक सत्संग भवन और एक मजार को इस कार्रवाई के दौरान हटाया जाएगा। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, जयपुर उत्तर और जयपुर पूर्व पुलिस जिलों में रविवार रात 12 बजे से सोमवार रात 12 बजे तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित रहेंगी। इसके साथ ही सामूहिक रूप से एसएमएस और एमएमएस भेजने की सेवाओं पर भी रोक लगाई गई है। सोशल मीडिया मंचों तक पहुंच भी प्रतिबंधित रहेगी। हालांकि, फोन कॉल सेवाएं सामान्य रूप से संचालित होती रहेंगी।

संभागीय आयुक्त वी. श्रवण कुमार ने कहा कि सोशल मीडिया और इंटरनेट आधारित संचार माध्यमों के दुरुपयोग की आशंका, अफवाहों पर रोक लगाने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। जयपुर के पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने चेतावनी दी कि अभियान के दौरान सोशल मीडिया या अन्य डिजिटल मंचों के जरिए सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने, भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने अथवा भ्रामक जानकारी फैलाने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने इलाके के कुछ हिस्सों में लोगों की आवाजाही पर भी प्रतिबंध लगा दिया है और ड्रोन के माध्यम से स्थिति पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के तहत आसपास के क्षेत्र में बिजली आपूर्ति भी अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है।

बीज कंपनी से जुड़े कथित रिश्वतखोरी रैकेट का भंडाफोड़, 2.44 करोड़ रुपये नकद बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक कथित रिश्वतखोरी रैकेट का भंडाफोड़ करने का दावा किया है, जिसमें एक बीज कंपनी और राजस्थान राज्य बीज निगम विवाद के केंद्र में हैं। हालांकि, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाया कि कृषि मंत्री किरोड़ी मीणा की ओर से की जा रही छापेमारी की आड़ में उगाही का रैकेट चलाया जा रहा था।

यह मामला एक कथित रैकेट से जुड़ा है, जिसमें अधिकारियों और अन्य लोगों पर निम्न गुणवत्ता अथवा मूंगफली के नकली बीजों के कारोबार के आरोपों का सामना कर रही एक बीज कंपनी के खिलाफ शुरू की गई कार्रवाई को निपटाने के लिए धन लेने का आरोप है।

एसीबी के एक अधिकारी ने बताया कि किरण कपाड़िया के स्वामित्व वाली कंपनी के खिलाफ अधिकारियों ने उसके गोदाम पर छापा मारकर बीजों के नमूने जांच के लिए लिए थे, 'गजराज' ब्रांड के मूंगफली बीजों की बिक्री पर रोक लगा दी थी तथा परिसर को सील कर दिया था।

ब्यूरो को शिकायत मिली थी कि मामले को रफा-दफा करने के लिए करीब 1.80 करोड़ रुपये की रिश्वत दी गई। आरोप है कि यह राशि आधिकारिक कार्रवाई को प्रभावित करने, मामले को दबाने, बीजों का स्टॉक गुजरात वापस भेजने तथा कंपनी को अनुकूल लाभ दिलाने, जिसमें बीज नमूनों की मंजूरी और बिक्री फिर से शुरू कराना शामिल है, के लिए दी गई थी। एसीबी के अनुसार, राजस्थान राज्य बीज निगम के निदेशक जुगल किशोर बिश्नोई ने कथित रूप से करीब 1.20 करोड़ रुपये प्राप्त किए, जबकि 60 लाख रुपये गणपत बिश्नोई को दिए गए।

प्राप्त सूचना के आधार पर एसीबी की टीमों ने लूणकरणसर के पास एक बस को रोककर जुगल किशोर बिश्नोई के भतीजे स्वतंत्र बिश्नोई के पास से 85 लाख रुपये बरामद किए। उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। जुगल किशोर बिश्नोई के आवास पर तलाशी के दौरान 1.59 करोड़ रुपये नकद बरामद हुए। इस मामले में अब तक कुल 2.44 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की जा चुकी है।

जुगल किशोर बिश्नोई, किरण कपाड़िया, गणपत बिश्नोई, सुनील सेठिया और सतपाल को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, 27 मई को की गई छापेमारी के दौरान बीजों के नमूने लिए गए थे और कंपनी के मूंगफली बीजों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया था। आरोप है कि गोदाम से बीजों को गुजरात वापस भेजने और मामले में आधिकारिक कार्रवाई को प्रभावित करने के बदले जुगल किशोर बिश्नोई ने लगभग 1.20 करोड़ रुपये तथा गणपत बिश्नोई ने 60 लाख रुपये प्राप्त किए।

एसीबी को जानकारी मिली थी कि कथित रिश्वत की राशि में से करीब 90 लाख रुपये स्वतंत्र बिश्नोई के माध्यम से श्रीगंगानगर भेजे जा रहे हैं। इसके बाद एसीबी की टीमों ने लूणकरणसर में बस रोककर तलाशी ली और 85 लाख रुपये बरामद किए। इस मामले ने राजनीतिक विवाद भी खड़ा कर दिया है। डोटासरा ने आरोप लगाया कि कृषि मंत्री किरोड़ी मीणा की छापेमारी की आड़ में उगाही का नेटवर्क संचालित किया जा रहा था।

उन्होंने दावा किया कि आरोपी अधिकारी बीकानेर, सीकर, जोधपुर, भीलवाड़ा और श्रीगंगानगर में मीणा के साथ छापेमारी अभियानों में शामिल रहा था। उनका आरोप है कि ऐसी कार्रवाइयों के दौरान व्यापारियों और कारोबारी प्रतिष्ठानों से करोड़ों रुपये की उगाही की गई।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि दबावपूर्ण कार्रवाइयों के जरिए 500 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही की गई और मामले की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच की मांग की। डोटासरा ने कहा कि यदि कार्रवाई से जुड़े अधिकारी करोड़ों रुपये की रिश्वत लेने का साहस रखते थे, तो यह पता लगाया जाना चाहिए कि यह धन अंततः किस तक पहुंचा और क्या उच्च अधिकारी इन कथित गतिविधियों से अवगत थे।

उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से व्यापक जांच कराने और कथित भ्रष्टाचार में शामिल सभी लोगों की पहचान करने की मांग की। कांग्रेस नेता के आरोपों पर कृषि मंत्री किरोड़ी मीणा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

राजस्थान के कई इलाकों में फिर भीषण गर्मी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई इलाकों में एक बार फिर तेज गर्मी पड़ रही है और गंगानगर में अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस दौरान कई जगह बारिश भी हुई। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के कुछ हिस्सों में आगामी दिनों में 'हीटवेव' चल सकती है।

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, सोमवार सुबह तक बीते चौबीस घंटों में पूर्वी भाग में कहीं-कहीं पर हल्की से मध्यम बारिश हुई। वहीं पश्चिमी भाग में कहीं-कहीं हल्की वर्षा दर्ज की गयी। सर्वाधिक बारिश पुष्कर (अजमेर) में 50.0 मिलीमीटर हुई। इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस गंगानगर में दर्ज किया गया। मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य के ऊपर बने परिसंचरण तंत्र के प्रभाव से कुछ भागों में आंधी बारिश की गतिविधियां अभी जारी रहने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में हल्की बारिश हो सकती है।

पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में 11 जून के दौरान कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 44-46 डिग्री सेल्सियस रह सकता है और लू चल सकती है।

मुझे बदनाम करने की साजिश हुई, न पद का मोह था, न हाईकमान से बगावत : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/जोधपुर। राजस्थान की सियासत में करीब चार साल पहले आए उस सबसे बड़े राजनीतिक तूफान को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आखिरकार अपनी खामोशी तोड़ दी है। 25 सितंबर 2022 को जयपुर में हुए हाई-प्रोफाइल सियासी घटनाक्रम और उसके बाद हुए दुष्प्रचार पर गहलोत ने पहली बार बेहद आक्रामक और बेबाक बयान दिया है। उन्होंने दोटूक कहा कि उन्हें न तो मुख्यमंत्री पद का कोई मोह था और न ही उन्होंने कभी कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से इनकार किया था। उन्हें सिर्फ और सिर्फ एक सोची-समझी रणनीति के तहत देश भर में बदनाम किया गया। गहलोत के इस बयान ने कांग्रेस के भीतर के अंतर्विरोधों और पुराने जख्मों को एक बार फिर हरा कर दिया है। उसे 'विद्रोह' का नाम दे दिया गया, जबकि वह हाईकमान के प्रति निष्ठा थी 25 सितंबर 2022 की उस रात को याद करते हुए, जब कांग्रेस पर्यवेक्षकों की मौजूदगी के बावजूद विधायक दल की बैठक नहीं हो सकी थी, गहलोत ने कहा:

उस पूरे घटनाक्रम को इस तरह पेश किया गया मानो मैंने हाईकमान के खिलाफ कोई बगावत कर दी हो। हकीकत यह थी कि विधायक कांग्रेस हाईकमान के प्रति अपनी निष्ठा जता रहे थे, लेकिन पूरे घटनाक्रम को तोड़-मरोड़कर एक साजिश के तहत विद्रोह का रूप दे दिया गया ताकि मेरी छवि को नुकसान पहुँचाया जा सके। गहलोत ने साफ किया, चूँकि मैं उस समय विधायक दल का नेता था और मेरी मौजूदगी में प्रस्ताव पारित नहीं हो पाया, इसलिए मैंने अपनी नैतिक जिम्मेदारी मानते हुए व्यक्तिगत रूप से सोनिया गांधी जी से माफी मांगी थी। इसका मतलब यह कतई नहीं था कि मैं किसी बगावत में शामिल था।

अशोक गहलोत ने इस दौरान अपने धुर विरोधी रहे सचिन पायलट का भी जिक्र किया। उन्होंने सोशल मीडिया और मीडिया के एक वर्ग पर निशाना साधते हुए कहा कि लगातार चलने वाली भ्रामक चर्चाओं और अफवाहों के कारण सचिन पायलट को भी राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और जनता से अपील की कि वे ऐसी गलत सूचनाओं से बचें और सच्चाई के आधार पर अपनी राय कायम करें।

मैंने हमेशा अपने साथियों से एक ही बात कही हैराजनीति में अगर आगे बढ़ना है तो किसी दूसरे की लकीर को मिटाने की कोशिश मत करो, बल्कि खुद उससे बड़ी लकीर खींचने का हुनर पैदा करो। अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने उन कयासों को सिरे से खारिज कर दिया कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बजाय राजस्थान का मुख्यमंत्री पद अपने पास रखना चाहते थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष जैसा गरिमामयी पद मिलना उनके लिए सर्वोच्च सम्मान की बात थी और वे उसे स्वीकार करने के लिए पूरी तरह तैयार थे।

पंच गौरव योजना की प्रगति की समीक्षा, बजट प्रावधानों के अनुरूप शीघ्र भेजे जाएं प्रस्ताव : श्रीनवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को सचिवालय में सम्बंधित अधिकारियों की बैठक लेकर पंच गौरव योजना की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने योजना के अंतर्गत संचालित एक जिला-एक उत्पाद, एक जिला-एक वनस्पति प्रजाति, एक जिला-एक खेल, एक जिला-एक पर्यटन स्थल तथा एक जिला-एक कृषि उपज के तहत सभी जिलों में हो रहे कार्यों के लक्ष्य, बजट, प्रगति, निगरानी प्रक्रिया की समीक्षा की।

मुख्य सचिव ने योजना के लिए विभिन्न जिलों को आवंटित बजट तथा अब तक हुए व्यय की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत बजटीय प्रावधानों के अनुसार प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर राज्य स्तरीय समिति को अनुमोदन हेतु भेजे ताकि समयबद्ध रूप से स्वीकृतियां जारी कर कार्यों को गति दी जा सके। उन्होंने कहा कि पंच गौरव योजना राज्य की विशिष्ट पहचान, स्थानीय संसाधनों के संवर्धन तथा रोजगार एवं आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

बैठक में आयोजना सचिव रवि कुमार सुरपुर ने बताया कि वर्ष 2025-26 के दौरान एक जिला-एक कृषि उपज योजना के अंतर्गत 50 हजार से अधिक किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। वहीं एक जिला-एक वनस्पति प्रजाति योजना के तहत 85 लाख पौधों का वितरण किया गया है। एक जिला-एक उत्पाद योजना के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सेमिनारों में 17 हजार से अधिक लोगों ने भागीदारी की है।

अधिकारियों ने अवगत कराया कि एक जिला-एक खेल योजना के अंतर्गत आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में 25 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया है। इसके अतिरिक्त एक जिला-एक पर्यटन स्थल योजना के तहत चयनित पर्यटन स्थलों पर 150 से अधिक मेले, उत्सव, स्वच्छता एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को समन्वित प्रयासों के माध्यम से योजना के उद्देश्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सूचना साझाकरण तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए कार्यशाला आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत ने कहा कि विभिन्न विभागों के डाटाबेस को नेटग्रिड से जोड़ने की प्रक्रिया राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सूचना साझाकरण तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने संबंधित विभागों को नेटग्रिड एकीकरण से जुड़े तकनीकी एवं प्रशासनिक कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। कार्यशाला में केंद्र सरकार गृह मंत्रालय के नेटग्रिड के संयुक्त सचिव सत्यनारायण गुप्ता, नेटग्रिड के निदेशक राघव गुप्ता, राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के आयुक्त हिमांशु गुप्ता तथा गृह विभाग की संयुक्त शासन सचिव, डॉ. मन्जू विजय उपस्थित रहे।अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत सोमवार को शासन सचिवालय में नेटग्रिड के संबंध में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यशाला के दौरान विभागीय डाटाबेस को नेटग्रिड से जोड़ने की प्रक्रिया, आवश्यक स्वीकृतियां, एपीआई (-झख) विकास, विभागीय डाटाबेस का विवरण निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराने तथा सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (छखउ) एवं संबंधित विभागों के बीच समन्वय जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही विभागों के तकनीकी प्रतिनिधियों को एकीकरण प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न तकनीकी एवं प्रक्रियागत पहलुओं की जानकारी साझा कर आवश्यक दिशा- निर्देश भी दिए। उन्होंने प्रथम चरण में चयनित उद्योग, खान, स्वायत्त शासन एवं ऊर्जा विभागों के डाटाबेस को नेटग्रिड से जोड़ने के लिए आवश्यक तैयारियों, तकनीकी प्रक्रियाओं तथा समन्वय संबंधी विषयों पर निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि विभिन्न विभागों, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग तथा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (छखउ) के समन्वित प्रयासों से डाटाबेस एकीकरण की प्रक्रिया को गति मिलेगी। उन्होंने विभागों से आवश्यक सूचनाएं निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराने तथा एकीकरण से संबंधित लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नेटग्रिड के संयुक्त सचिव सत्यनारायण गुप्ता ने नेटग्रिड की अवधारणा, उद्देश्यों एवं विभागीय डाटाबेस एकीकरण की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि राज्यों एवं विभागों के सक्रिय सहयोग से यह व्यवस्था और अधिक प्रभावी बन सकेगी। उल्लेखनीय है कि नेटग्रिड भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मामलों में विभिन्न अधिकृत एजेंसियों के बीच सूचना साझाकरण को सुदृढ़ बनाना है। यह मंच विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के डाटाबेस के समन्वित उपयोग के माध्यम से आवश्यक सूचनाओं की सुरक्षित एवं त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायक है।

भारत के मौसम संबंधी आधारभूत ढांचे में अभूतपूर्व विस्तार हुआ : डॉक्टर जितेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने सोमवार को कहा कि पिछले दशक में भारत के मौसम संबंधी आधारभूत ढांचे में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है, जिससे पूरे देश में मौसम का अधिक सटीक, स्थान-विशिष्ट और प्रभाव-आधारित पूर्वानुमान संभव हो पाया है।

एक सरकारी बयान के अनुसार सिंह ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ यहां नए क्षेत्रीय मौसम केंद्र (आरएमसी) का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि 2014 में भारत में केवल '17 डॉप्लर मौसम रडार' थे, जबकि जम्मू-कश्मीर, पंजाब और उत्तराखंड सहित कई राज्यों में एक भी रडार नहीं था। उन्होंने बताया कि अब यह नेटवर्क बढ़कर 50 डॉप्लर मौसम रडार तक पहुंच गया है तथा 'मिशन मौसम' के तहत 50 और रडार लगाने का प्रस्ताव है, जिससे अगले दो वर्षों में कुल रडार की संख्या लगभग 100 हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इस विस्तार से पूरे देश में वास्तविक समय (रियल-टाइम) में मौसम की निगरानी और पूर्वानुमान की

क्षमताएं काफी मजबूत होंगी।

सिंह ने कहा कि पिछले दशक में मौसम के पूर्वानुमान और निगरानी प्रणालियों में हुई प्रगति ने नागरिकों, आपदा प्रबंधन एजेंसियों, किसानों, पर्यटकों और विमानन क्षेत्र तक मौसम संबंधी सेवाएं पहुंचाने के तरीके को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि मौसम का पूर्वानुमान अब व्यापक क्षेत्रीय अनुमानों से आगे बढ़कर अत्यधिक स्थानीय और समय-विशिष्ट पूर्वानुमानों में बदल गया है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि मौसम के पूर्वानुमान में जनता का बढ़ता भरोसा निगरानी नेटवर्क, पूर्वानुमान मॉडल और जानकारी पहुंचाने की प्रणालियों में किए गए बड़े सुधारों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश बाढ़, सूखे, लू, आंधी-तूफान और मौसम की अन्य चरम घटनाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है, इसलिए सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा की तैयारी के लिए समय पर पूर्वानुमान और चेतावनी प्रणालियां अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में 'ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन' 59 से बढ़कर 107 हो गए हैं तथा ऑटोमैटिक रेन गेज स्टेशन 132 से बढ़कर 140 और लाइटनिंग सेंसर 0 से बढ़कर 7 हो गए हैं।

बिहार के मंत्री के वाहन पर पथराव, मंत्री सुरक्षित

मधुबनी/भाषा। बिहार के श्रम संसाधन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद के वाहन पर मधुबनी जिले में कुछ लोगों द्वारा कथित तौर पर पथराव किया गया, जिससे उसके सामने का शीशा टूट गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब मंत्री एक सड़क दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति के परिजनों से मिलने गए थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में मंत्री को कोई चोट नहीं आई और वह पूरी तरह सुरक्षित हैं।

मधुबनी पुलिस ने एक बयान में बताया कि मंत्री रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे खजौली थाना क्षेत्र के ताहर गांव पहुंचे थे। वह शुक्रवार रात सड़क दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति के परिजनों को सांत्वना देने गए थे। पुलिस के मुताबिक मंत्री के दौरे के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने मौके पर मौजूद महिलाओं के एक समूह को उकसाया और उन्हें वाहन के सामने खड़ा कर दिया। इसके बाद समूह ने विभिन्न मांगों को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी तथा कथित तौर पर पथराव किया जिससे वाहन का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। बयान में कहा गया है कि मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने मंत्री की सुरक्षा सुनिश्चित की और उनके वाहन को सुरक्षित वहां से निकाला। घटना की सूचना मिलने के बाद मिथिला प्रक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) और मधुबनी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया और मंत्री से भी मुलाकात की। पुलिस के मुताबिक घटना में कथित रूप से शामिल सभी लोगों की पहचान कर ली गई है।

भाजपा की 'सी टीम' है कॉकरोच जनता पार्टी : बरेली के निलंबित मजिस्ट्रेट अग्निहोत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलरामपुर (उप्र)/भाषा। बरेली के निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट और राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के प्रमुख अलंकार अग्निहोत्री ने सोमवार को दावा किया कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) भाजपा की सी टीम है। अग्निहोत्री ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''कॉकरोच जनता पार्टी, भाजपा की 'सी टीम' है और असल में सीजेपी, भाजपा है।''

उन्होंने कहा कि एक ओर जहां सीजेपी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गद्दार कहती है, वहीं दूसरी ओर छह जून को सीजेपी नेता अभिजीत दीपके को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति दी जाती है।

अग्निहोत्री ने राम मंदिर में चढ़ावे के तौर पर प्राप्त हुए चंदे के करोड़ों रुपए कथित तौर पर गायब होने को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल और कुछ अन्य लोग सनातनी परंपरा के नाम पर देश के मंदिरों, मठों और श्रद्धालुओं के धन को लूट रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने काशी, अयोध्या, वृंदावन और मथुरा जैसे तीर्थ स्थलों को उनके आध्यात्मिक स्वरूप में संरक्षित करने के बजाय, केवल कंक्रीट के गलियारे का निर्माण किया है।

इससे पहले, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया था, ''समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए यह एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि राम मंदिर के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब पायी गई है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने अदालत से इसका स्वतः संज्ञान लेने की भी मांग की।

आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने एक बयान में कहा था, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का समय-समय पर आंतरिक ऑडिट होता रहता है। ऑडिट की प्रक्रिया कई दिनों तक चलती है। इन दिनों भी यही काम हो रहा है। अभी तक कोई खास बात सामने नहीं आई है।

पुलिस मुठभेड़ पर, उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के सवाल उठाने का समर्थन करते हुए अग्निहोत्री ने दावा किया कि राज्य में इस तरह की कार्रवाई में निशाना बनाये जाने के मामले में ब्राह्मण समुदाय के लोग दूसरे स्थान पर हैं।

निषाद ने शनिवार को गाजीपुर में होटल व्यवसायी विनीत राय की हत्या में वांछित कमलेश चौधरी उर्फ कमलेश बिंद की कथित पुलिस मुठभेड़ पर सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की थी।

अग्निहोत्री ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा समान विचारधारा वाली पार्टियों के साथ मिलकर 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 270 सीटों पर चुनाव लड़ सकता है।

देवरिया में झाड़-फूंक के नाम पर एक महिला से दुष्कर्म, आरोपी तांत्रिक गिरफ्तार

देवरिया (उप्र)/भाषा। देवरिया जिले के बनकटा थानाक्षेत्र में कथित तौर पर झाड़-फूंक के नाम पर एक महिला से दुष्कर्म करने पर एक तांत्रिक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार बनकटा एक व्यक्ति अपने बेटे को लेकर बनकटा थाना क्षेत्र के जगन चक के व्यासमुनी पांडेय के पास झाड़-फूंक के लिए गए थे। पुलिस के अनुसार इस व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि व्यासमुनी पांडेय ने बच्चे को पूरी तरह ठीक करने का झांसा देकर उसकी पत्नी के साथ संबंध बनाए। पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता की शिकायत पर व्यासमुनी को हिरासत में ले लिया गया और अब मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। भाटपार रानी के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंशुमान श्रीवास्तव ने बताया कि तहरीर मिलते ही आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। सीओ ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

तृणमूल के 20 सांसद राजग का करेंगे समर्थन, लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर देंगे जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस का अंदरूनी संकट सोमवार को उस समय और गहरा गया जब पार्टी की वरिष्ठ सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने दावा किया कि पार्टी के करीब 20 सांसदों ने केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)का समर्थन करने का फैसला किया है और इसकी औपचारिक जानकारी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर दी जाएगी। इसी के साथ पार्टी की संसदीय इकाई में फूट सार्वजनिक हो गई है और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद पार्टी पर ममता बनर्जी का नियंत्रण और कमजोर हो गया है।

यह घटनाक्रम पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व को मिली करारी हार के कुछ ही दिनों बाद सामने आया है, जहां उसके 80 विधायकों में से 58 ने पार्टी आला कमान के अनुभवी नेता शोभनदेब चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता नियुक्त करने के फैसले को सिरे से खारिज कर दिया और निष्कासित विधायक रिताब्रता बनर्जी को उस पद पर नामित कर दिया। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद से तृणमूल कांग्रेस में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल सोमवार को उसके संसदीय खेमे में भी फैलती नजर आई, जब बागी सांसदों के एक समूह ने केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)को समर्थन दिया, जबकि पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के खिलाफ अखिल भारतीय स्तर पर रणनीति तैयार करने के लिए 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली में थीं। काकोली ने 'पीटीआई-भाषा' से फोन पर बताया कि सांसदों ने राजग को समर्थन देने के अपने फैसले के बारे में लोकसभा अध्यक्ष को सूचित कर दिया है। उन्होंने कहा, ''करीब बीस सांसदों ने राजग को समर्थन देने की औपचारिक जानकारी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर देने का फैसला किया हैऔर इनमें मैं भी शामिल हूं।''

सूत्रों के मुताबिक, बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष कहा कि उनका मत है कि काकोली सदन में पार्टी की वैध मुख्य सचेतक हैं और पार्टी नेतृत्व द्वारा घोषित कोई भी बाद के बदलाव आवश्यक संसदीय प्रक्रिया के माध्यम से पूरे नहीं किए गए थे। तृणमूल कांग्रेस के अन्य सांसद ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल ने काकोली को मुख्य सचेतक पद से हटाने और उनके स्थान पर कल्याण बनर्जी को नियुक्त करने का फैसला किया था, लेकिन इसकी सूचना लोकसभा सचिवालय को नहीं दी गई थी। काकोली ने दावा किया कि वह लोकसभा में पार्टी की मुख्य सचेतक बनी हुई हैं और कहा कि यह निर्णय साथी सांसदों के बीच परामर्श के बाद लिया गया था।

नामांकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवार बैद्यनाथ राम और कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा ने राज्य की दो राज्यसभा सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए सोमवार को अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। इन सीटों के लिए 18 जून को चुनाव होना है। दोनों उम्मीदवारों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और सत्तारूढ़ गठबंधन के कई अन्य विधायकों की उपस्थिति में झारखंड विधानसभा में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। अधिकारियों ने बताया कि नामांकन पत्र विधानसभा सचिव रंजीत कुमार के समक्ष प्रस्तुत किए गए।

खराब मौसम के कारण मुख्यमंत्री माझी के हेलीकॉप्टर को पुरी में आपात स्थिति में उतारा गया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के हेलीकॉप्टर को सोमवार शाम खराब मौसम के कारण पुरी में आपात स्थिति में उतारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। माझी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मुकेश महालिंग के साथ मयूरभंज जिले के बारीपाड़ा में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद भुवनेश्वर लौट रहे थे कि तभी मौसम अचानक बिगड़ गया। पुरी के जिलाधिकारी दिव्या ज्योति परिदा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मुख्यमंत्री और हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। वे कुछ देर बाद भुवनेश्वर के लिए रवाना होंगे। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पायलट ने पुरी के समांग स्थित अस्थायी हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर को आपात स्थिति में उतार दिया। उन्होंने बताया कि तेज हवाओं और उत्तर-पश्चिमी तूफान के कारण एहतियात के तौर पर हेलीकॉप्टर को उतारना पड़ा। एक अधिकारी ने बताया कि अगर मौसम में सुधार नहीं होता है तो माझी और अन्य लोग सड़क मार्ग से भुवनेश्वर लौट सकते हैं।

ओडिशा: महिला और उसकी बेटी की जादू टोना के संदेह में हत्या

संबलपुर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के संबलपुर जिले में 60 वर्षीय एक महिला और उसकी 35 वर्षीय बेटी की कथित तौर पर जादू टोना करने के संदेह में कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। यह जानकारी पुलिस ने सोमवार को दी। पुलिस ने बताया कि घटना सासन थाना क्षेत्र के गिरिपाली खड़ियापाड़ा गांव की है। संबलपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अजय कुमार मिश्रा ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद पत्रकारों को बताया कि घटना रविवार रात को उस समय हुई जब दोनों महिलाएं अपने घर के बाहर सो रही थीं। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि अजय प्रधान नाम के एक स्थानीय युवक ने उरकुली पात्रा और उनकी विवाहित बेटी लीलिमा जोडा पर कथित तौर पर कुल्हाड़ी से हमला किया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि प्रधान ने खुद पुलिस को घटना की जानकारी दी और जांच के दौरान पुलिस को उस पर संदेह हुआ। उन्होंने बताया कि हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार दोनों शव के पास ही मिला। अधिकारी ने कहा कि इन हत्याओं के पीछे आरोपी का यह शक होने की आशंका है कि मां-बेटी जादू-टोना करती हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि अपराध के उद्देश्य और पूरी घटना के क्रम का पता लगाने के लिए उससे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि एक वैज्ञानिक टीम के साथ सबूत जुटाने के लिए पुलिस मौके पर पहुंच गई है और आगे की जांच जारी है। सूत्रों ने बताया कि लीलिमा पिछले कुछ समय से अपने मायके में ही रह रही थी।

सुथार का चमत्कार, भारत ने अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रन से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुल्लांपुर/भाषा। भारत ने अफगानिस्तान को एकमात्र टेस्ट में तीसरे ही दिन सोमवार को एक पारी और 300 रन से हरा दिया और बायें हाथ के स्पिनर मानव सुथार का पदार्पण मैच में यादगार प्रदर्शन मेजबान के लिए इस मैच की सबसे बड़ी उपलब्धि रही ।

पहली पारी में सुथार के छह विकेट के दम पर भारत ने अफगानिस्तान को 152 रन पर आउट कर दिया था। दूसरी पारी में अफगानिस्तान की टीम 35 . 5 ओवर में 112 रन पर सिमट गई । भारत की यह पारी के अंतर के आधार पर सबसे बड़ी जीत रही ।

दूसरी पारी में वॉशिंगटन सुंदर ने चार और कुलदीप यादव ने तीन विकेट चटकाये । भारत ने 2018 में अफगानिस्तान को एक पारी और 260 रन से हराया था लेकिन मेहमान टीम के लिए राहत की बात यह है कि वे इस मैच को तीसरे दिन तक खींचकर ले गए । मैच के नायक राजस्थान के श्रीगंगानगर के बायें हाथ के स्पिनर सुथार रहे । पदार्पण में एक पारी के पांच विकेट चटकाने वाले वह भारत के दसवें गेंदबाज बन गए । उन्होंने अपने प्रदर्शन से भविष्य में रविंद्र जडेजा के विकल्प के तौर पर खुद को खड़ा कर दिया।

मैंने सीखा कि टेस्ट क्रिकेट में निरंतरता ही सबकुछ है : सुथार

मुल्लांपुर/भाषा। अपने पदार्पण टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारत के खब्बू स्पिनर मानव सुथार ने कहा कि क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में निरंतरता और धैर्य ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में भारत की पारी और 300 रन की विशाल जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सुथार को मैच में सात विकेट लेने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

सुथार ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, ''सबसे महत्वपूर्ण सबक यह है कि निरंतरता ही सब कुछ है। आपको बार-बार एक ही क्षेत्र में गेंदबाजी करनी होगी। मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट में यही सबसे महत्वपूर्ण बात है। यह एक ऐसा प्रारूप है जिसमें धैर्य की परीक्षा होती है।'' उन्होंने कहा, मैंने यही सीखा है कि धैर्य के साथ अपनी योजनाओं पर कायम रहें और लगातार सही लाइन व लेंथ पर गेंदबाजी करते रहें।'' इस 23 साल के गेंदबाज ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में भारत का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए अपने सपने को सच करने जैसा है। उन्होंने कहा, ''यह अविश्वसनीय अनुभव था। भारत के लिए और खासकर टेस्ट क्रिकेट खेलने का सपना मैंने बचपन से संजोया था। यह मेरे लिए बेहद खास और सपने के सच होने जैसा पल था।''

अरुणाचल: तवांग में हिमनदीय झील के फटने से अचानक बाढ़ आने का खतरा, तैयारियां तेज

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश में मौसम जनित खतरों से जुड़ी नई चिंताएं सामने आई हैं। तवांग जिले में अधिकारियों ने हिमनदीय झील के फटने से अचानक आने वाली बाढ़ के खतरे की आशंका को देखते हुए तैयारियां तेज कर दी हैं।

पिछले कुछ दिन से लगातार हो रही बारिश के कारण लेखी में स्थित अंतर-राज्यीय बस टर्मिनस (आईएसबीटी) परिसर के आसपास का क्षेत्र भी जलमग्न हो गया है, जिसके कारण लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि तवांग जिला आपदा प्रबंधन विभाग ने रविवार को पृथ्वी विज्ञान एवं हिमालय अध्ययन केंद्र (सीईएसएचएस) से मिली जानकारी के बाद अलर्ट जारी किया है। सीईएसएचएस ने चेतावनी दी है कि खांगरी ग्लेशियर के आसपास तेजी से बर्फ पिघलने और अस्थिर भू-भाग के कारण मागो चू बेसिन में हिमनदीय झील के फटने से अचानक बाढ़ आने की आशंका है।

सीईएसएचएस का यह परामर्श भारतीय सेना,आईटीबीपी और बीपीओ के साथ साझा किया गया है ताकि सभी संबंधित एजेंसियां तैयार रह सकें। तवांग की उपायुक्त और डीडीएमए की अध्यक्ष नामग्याल अंगमो ने लोगों से सतर्क रहने और आधिकारिक सूचनाओं पर नजर रखने की अपील की है। पुलिस अधीक्षक तसी दरांग ने मगो चू और तवांग चू नदी के किनारे, खासकर निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सलाह दी है कि वे आपातकालीन जरूरत का सामान तैयार रखें और किसी भी स्थिति के लिए सतर्क रहें।

विश्व योगासन चैंपियनशिप 2026: भारत ने स्वर्ण पदक का शतक लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। भारत ने पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप में दबदबा बनाते हुए अपने अभियान का अंत सोमवार को यहां 102 स्वर्ण के साथ कुल 114 पदक के साथ किया। जापान की टीम तीन स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर रही। अर्जेन्टीना ने अपनी एकमात्र खिलाड़ी नाबिला बेरेजा के दो स्वर्ण और तीन रजत पदक की बदौलत तीसरा स्थान हासिल किया।

सर्वाधिक पदक जीतने के मामले में नेपाल की टीम दूसरे स्थान पर रही जिसने एक स्वर्ण, 36 रजत और 15 कांस्य पदक के साथ कुल 52 पदक जीते। टीम पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रही।

उज्बेकिस्तान ने एक स्वर्ण, 13 रजत और 11 कांस्य पदक सहित कुल 25 पदक जीते। चैंपियनशिप सोमवार को संपन्न हुई।

प्रतियोगिता में 79 देशों के 522 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इसमें से 31 देशों ने कम से कम एक पदक जीता। दस देश स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे।

भारत ने छह आयु वर्ग में 122 खिलाड़ी उतारे जिसमें सब जूनियर पुरुष और महिला (10-14 वर्ष), जूनियर पुरुष और महिला (14-18 वर्ष), सीनियर (18-28 वर्ष), सीनियर ए (28-35 वर्ष), सीनियर बी (35-45 वर्ष) और सीनियर सी (45-55 वर्ष) वर्ग शामिल हैं।

एक वीडियो संदेश में विश्व योगासन के अध्यक्ष स्वामी रामदेव ने इस चैंपियनशिप को एक वैश्विक अभियान की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा, ''विश्व योगासन चैंपियनशिप कोई मंजिल नहीं है। यह एक वैश्विक अभियान की शुरुआत है। योग सिर्फ एक खेल नहीं है, यह जीवन जीने का एक तरीका है, सेहत, तालमेल, शांति और इंसानी एकता का रास्ता है। यहां मौजूद हर खिलाड़ी सिर्फ एक चैंपियन नहीं बल्कि दुनिया के लिए योग का एक दूत है।''

टीम को अब 'बदलाव के दौर' के नजरिये से देखना बंद करना होगा : गावस्कर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुल्लांपुर/भाषा। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टेस्ट क्रिकेट में गेंदबाजी के बजाय बल्लेबाजी को भारत की सबसे बड़ी चिंता बताते हुए सोमवार को कहा कि टीम को अब 'बदलाव के दौर (ट्रांजिशन)' की सोच से बाहर आना होगा।

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के तीसरे दिन पारी और 300 रन से बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच में पदार्पण करने वाले बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने पहली पारी में छह विकेट समेत मैच में कुल सात विकेट लिए। गावस्कर ने 'जियोस्टार' के कार्यक्रम 'क्रिकेट लाइव' में कहा कि हर टीम में समय-समय पर खिलाड़ियों का आना-जाना और बदलाव होता है, लेकिन प्रदर्शन के स्तर को बनाए रखने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''अब समय आ गया है कि टीम को 'बदलाव के दौर' में बताने

के बजाय टेस्ट क्रिकेट के मानकों पर परखा जाए। हर टीम में संन्यास, नए खिलाड़ियों का आना और बदलाव होते रहते हैं, लेकिन ध्यान प्रदर्शन पर होना चाहिए।''

गावस्कर ने कहा, ''भारत के हाल के टेस्ट नतीजों को देखें तो गेंदबाजों ने अपना काम काफी हद तक किया है, लेकिन बल्लेबाजों को, खासकर मुश्किल परिस्थितियों में, अधिक अनुशासन और बेहतर तकनीक दिखाने की जरूरत है।'' उन्होंने यह भी कहा कि टी20 क्रिकेट की सोच को टेस्ट क्रिकेट में नहीं आने देना चाहिए।

गावस्कर ने कहा, ''कई बार कुछ डॉट गेंदों के बाद खिलाड़ी टी20 की मानसिकता में आ जाते हैं और जल्दबाजी में गलत फैसले कर बैठते हैं। टेस्ट क्रिकेट में अलग तरह के धैर्य और सोच की जरूरत होती है।'' गावस्कर ने युवा स्पिनर मानव सुथार की जमकर तारीफ की, लेकिन साथ ही सावधानी बरतने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा, ''सात विकेट के साथ टेस्ट करियर की शुरुआत करना बेहद प्रभावशाली है, लेकिन किसी खिलाड़ी का मूल्यांकन सिर्फ एक मैच के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''यह एक शानदार और उत्साहजनक शुरुआत है, लेकिन इसे मंजिल नहीं, बल्कि लंबे सफर की शुरुआत के रूप में देखा जाना चाहिए।''

सुविचार

बुरा वक्त एक ऐसी तिजोरी है, जहाँ से सफलता के हथियार मिलते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

निरंकुशता का परिणाम

पश्चिम बंगाल की राजनीति में बीते एक दशक से एकछत्र राज करने वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) आज अपने सबसे गंभीर अस्तित्वगत संकट से गुजर रही है। राज्य विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद से ही तृणमूल में जो दरारें दिखनी शुरू हुई थीं, वे अब दिल्ली के सत्ता गलियारों तक पहुँचकर एक बड़े महाविभाजन का रूप ले चुकी हैं। वरिष्ठ राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय का इस्तीफा और उसके तुरंत बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पार्टी के 20 से अधिक लोकसभा सांसदों की गुप्त बैठक इस बात का स्पष्ट उद्घोष है कि ममता बनर्जी का किला अब केवल ढहा नहीं है, बल्कि पूरी तरह बिखरने की कगार पर है।यह बगावत आकस्मिक नहीं, बल्कि पार्टी के भीतर लंबे समय से पनप रहे आंतरिक असंतोष, केंद्रीय नेतृत्व की तानाशाही और सांगठनिक स्तर पर लिए गए अदूरदर्शी फैसलों का संचयी परिणाम है। संसद में अलग गुट बनाने और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को समर्थन देने की तैयारी कर रहे इन बागी सांसदों का नेतृत्व कथित तौर पर बारासात की सांसद काकोली घोष दस्तीदार कर रही हैं। यह घटनाक्रम पश्चिम बंगाल विधानसभा में हुए उस विद्रोह की ही कार्बन कॉपी है, जहां 58 विधायकों ने अलग होकर रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल संसदीय दल से नाता तोड़ लिया था। अब लोकसभा में टीएमसी के कुल 29 सांसदों में से 20 का बागी हो जाना यह दर्शाता है कि पार्टी पर ममता बनर्जी और उनके भतीजे व राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की पकड़ पूरी तरह ढीली हो चुकी है।

इस राजनीतिक भूचाल के पीछे सबसे प्रमुख कारण पार्टी का आंतरिक ढांचा और सांगठनिक अहंकार है। हालिया चुनावी शिकस्त के बाद, जहां उम्मीद थी कि पार्टी शीर्ष नेतृत्व अपनी कमियों को स्वीकार करेगा और जमीन से जुड़े नेताओं की आवाज सुनेगी, वहीं इसके विपरीत आत्मनिरीक्षण के सारे रास्ते बंद कर दिए गए। विद्रोहियों का यह आरोप पूरी तरह तर्कसंगत प्रतीत होता है कि 'पार्टी के भीतर अपनी शिकायतों को उठाने का कोई लोकतांत्रिक जरिया ही नहीं बचा था।' अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व मॉडल और उनके फैसलों ने पार्टी के पुराने और अनुभवी जमीनी नेताओं को हाशिए पर धकेल दिया था। जब एक क्षेत्रीय दल का नेतृत्व केवल 'एक परिवार' की महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का साधन बन जाए, तो उसका हश्र ऐसा ही होता है। इसके साथ ही, भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों और हाल ही में नेपाल सीमा के पास से टीएमसी नेता जहांगीर खान जैसे कद्दावर चेहरों की गिरफ्तारी ने पार्टी की बची-खुची साख पर भी कड़ा प्रहार किया है। आम जनता के साथ-साथ खुद पार्टी के जनप्रतिनिधियों में यह डर समा गया था कि नेतृत्व की गलतियों की राजनीतिक कीमत उन्हें चुकानी पड़ रही है। दिल्ली में जहां एक तरफ ममता बनर्जी 'इंडि' गठबंधन की बैठक में विपक्ष की एकजुटता का ताना-बाना बुन रही थीं, वहीं चंद किलोमीटर दूर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर उनकी अपनी ही पार्टी के सांसदों का जमावड़ा होना, उनकी राष्ट्रीय राजनीति की महत्वाकांक्षाओं पर एक क्रूर विडंबना है। जो नेता अपने खुद के कुनबे को बिखरने से नहीं रोक सका, वह राष्ट्रीय स्तर पर विकल्प बनने का दावा कैसे कर सकता है? इस महाविभाजन के बाद अब तृणमूल कांग्रेस का भविष्य अत्यंत धुंधला और अनिश्चित नजर आ रहा है। दो-तिहाई से अधिक सांसदों के अलग होने के बाद दल-बदल विरोधी कानून का खतरा भी बागी गुट पर नहीं मंडराएगा, जिससे वे संसद में 'मूल तृणमूल' या एक स्वतंत्र गुट के रूप में मान्यता प्राप्त कर सकते हैं। यह न केवल टीएमसी के संसदीय कद को बौना कर देगा, बल्कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में ममता बनर्जी को अप्रासंगिक बनाने की दिशा में अंतिम कील साबित हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम से क्षेत्रीय दलों के लिए एक बड़ा सबक मिलता है: संस्थाएं और राजनीतिक दल केवल करिश्मे या भय के बल पर लंबे समय तक नहीं चलाए जा सकते; उनके लिए आंतरिक लोकतंत्र, कार्यकर्ताओं का सम्मान और जवाबदेही अनिवार्य शर्तें हैं। तृणमूल कांग्रेस में लगी यह आग इस बात का प्रमाण है कि जब क्षेत्रीय क्षत्रप अपनी जड़ों से कट जाते हैं और जनता का विश्वास खो देते हैं, तो उनका पूरा साम्राज्य ताश के पत्तों की तरह ढह जाता है। ममता बनर्जी के लिए अब वापसी की राह न केवल कठिन है, बल्कि लगभग असंभव दिखाई दे रही है।

ट्वीटर टॉक

राज्य के एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट और सीड कॉर्पोरेशन में करोड़ों रुपये के नकली बीज रिश्वत कांड का एसीबी ने पर्दाफाश किया है, जो बहुत चिंताजनक है। जो अधिकारी एग्रीकल्चर मिनिस्टर के साथ कंधे से कंधा मिलाकर 'रेड' का नाटक कर रहे थे।

-अशोक गहलोत

पिछले 12 सालों में, भारत ने कई बदलाव देखे हैं और इन बदलावों के केंद्र में गरीबों और पिछड़े लोगों की भलाई है। हम हमेशा अंत्योदय से प्रेरित रहे हैं और हमारी कोशिश हमेशा यह पक्का करने की रही है कि विकास का फ़ायदा उन लोगों तक पहुंचे जो दशकों से पीछे रह गए थे।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

धैर्य से सफलता

एक बार मगध के गुरुकुल में आचार्य ज्ञानसागर जी ने अपने शिष्यों के धैर्य की परीक्षा ली। एक सत्र के पूर्ण होने पर आचार्य ने शिष्यों को बांस की टोकरियां देते हुए कहा, 'जाओ और इनमें नदी से जल भर लाओ। गुरुकुल की सफाई करनी है।' शिष्य आचार्य की आज्ञा सुनकर चकित रह गए, क्योंकि बांस की टोकरियों में जल भरकर लाना असंभव-सा था। फिर भी, गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए सभी शिष्य नदी पर गए और प्रयास किया। लेकिन बांस की टोकरियों में जल भरने से वह जल छिद्रों से रिस जाता और कोई भी शिष्य जल भरकर वापस नहीं लौट पाया, सिवाय एक शिष्य के। वह शिष्य आचार्य के प्रति पूर्ण निष्ठा से भरा हुआ था। उसने यह सोचकर बार-बार जल भरने का प्रयास किया कि गुरुदेव ने यह आदेश किसी कारण से दिया है। दिनभर प्रयास करने के बाद, जब बांस की टोकरियां नदी में पानी से भरते-भरते पूरी तरह भीग गईं, तो बांस की तीलियां फूल गईं और सभी छिद्र बंद हो गए। शाम तक वह शिष्य पूरी तरह से जल भरकर आचार्य के पास लौटा। आचार्य ने उसे देखा और अन्य शिष्यों को दिखाकर कहा, 'कार्य तो मैंने तुम्हें कठिन सौंपा था, लेकिन विवेक, धैर्य, लगन और निरंतर प्रयास से यह भी संभव हो गया।

सामयिक

अब नेपाल से सुलझ जाएगा सीमा विवाद

प्रमोद भार्गव
मोबाइल : 9981061100

> **भारत के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय राजनीतिक नेतृत्व ने कभी भी चीन के लोकतांत्रिक मुखौटे में छिपी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा को नहीं समझा? नतीजतन चीन की हड़प नीतियों के विरुद्ध न तो कभी ढ़ता से खड़े हो पाए और न ही कड़ा रुख अपनाकर विश्व मंच पर अपना विरोध दर्ज करा पाए ?**

जब से नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की सरकार अस्तित्व में आई है, तब से इस शांतिप्रिय हिंदू-बहुल देश की राजनीति दबावमुक्त अनुभव होने लगी है। चीन के हस्तक्षेप के चलते भारत से नेपाल की जो दूरियां बढ़ती चली जा रहीं थीं, वे अब कम हो रही हैं। इसी का परिणाम है कि नेपाल के भारत आए विदेश मंत्री शिशिर खनल ने नई दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए साफ कर दिया है कि काठमांडू भारत के साथ चल रहे सीमा विवाद को तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के बिना मौजूदा द्विपक्षीय वार्ता के जरिए सुलझाने का इच्छुक है। उनका कहना है कि जब दोनों पक्ष खुले दिल, तर्कसंगत सोच और आपसी सम्मान के साथ बैठते हैं तो कोई समस्या जटिल नहीं रह जाती है। नेपाल नई दिल्ली को 21वीं सदी की भू-राजनीति के अति संवेदनशील चश्मे से नहीं देखना चाहता है। दोनों देष एक पारदर्शी अजेंडे पर आगे बढ़ेंगे। इस कड़ी में भारत नेपाल को पुराने बोझ का बंधक बनाए रखना नहीं चाहती है।

खनल की भारत यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब बालेंद्र शाह ने सीमा विवाद को लेकर चीन और ब्रिटेन का जिक्र किया था। जिसे भारत ने पूरी तरह नाकार दिया था। इस पर सफाई देते हुए खनल ने साफ कर दिया कि ब्रिटेन से संबंधित टिप्पणी केवल ऐतिहासिक दस्तावेज और ब्रिटिश लाइब्रेरी म्यूजियम से जानकारी हासिल करने तक सीमित थी न कि मध्यस्थता की मांग थी। दरअसल सीमा विवाद की शुरूआत नेपाल की कैबिनेट ने 18 मई 2020 को एक नए राजनीतिक मानचित्र को मंजूरी देकर भारत से विवाद गहरा देने का नया रास्ता खोल दिया था। लेकिन इस विवाद को नेपाल की तत्कालीन केपी शर्मा ओली सरकार ने इन मुद्दों पर राष्ट्रीय सहमति बनाने के बहाने सर्वदालीय बैठक बुलाने की बात कहकर इस विवाद से पीछे हट गई थी। नेपाल के सभी दलों के नेताओं ने भारत के साथ बातचीत कर इस मुद्दे को सुलझाने का सुझाव दिया था। तब इस पहल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रणनीतिक व कूटनीतिक सफलता और चीन की कूटनीतिक पराजय माना गया था। दरअसल इस विवाद को लेकर भारत की षंका चीन पर थी। इस सीमा विवाद में लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा क्षेत्र शामिल थे। इन विवादित स्थलों की सीमा भारत और नेपाल के साथ चीन से भी जुड़ती है।

दरअसल मानसरोवर यात्रा को सुगम बनाने के लिए उत्तराखण्ड के पिथौरागढ़ जिले में भारत सरकार ने लिपुलेख मार्ग खोल दिया था। इसी का जवाब देने के लिए नेपाल ने अपने नए मानचित्र में कालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेख क्षेत्र को अपने देश के नए मानचित्र में दिखा दिया था। इस सिलसिले में भारतीय विदेश मंत्रालय का कहना था कि इस मार्ग को खोलने से पहले तक नेपाल के मानचित्र में यह स्थिति नहीं थी। विवादित मानचित्र जारी करते हुए नेपाल ने दावा किया था कि 1816 में नेपाल और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुई सुगौली संधि के अनुसार काला पानी क्षेत्र उसका है। 1860 में इस क्षेत्र की भूमि का पहली बार सर्वे किया गया था। इसके बाद 1929 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने ही काला पानी को भारत का हिस्सा घोषित किया था, नेपाल ने भी इसकी पुष्टि कर दी थी। भारत की आजादी के बाद भी यही स्थिति बनी रही। किंतु नेपाल में चीन द्वारा किए जा रहे बड़े पूंजी निवेश के चलते नेपाल को यह हरकत करनी पड़ गई थी।

हमारे पड़ोसी देशों में नेपाल और भूटान ऐसे देश हैं, जिनके साथ हमारे संबंध विश्वास और स्थिरता के रहे हैं। यही वजह है कि भारत और नेपाल के बीच 1950 में हुई सुलह, शांति और दोस्ती की संधि आज भी कायम है। नेपाल और भूटान से जुड़ी 1850 किमी लंबी सीमा रेखा बिना किसी पुख्ता पहरेदारी के खुली है। बावजूद चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की तरह कोई विवाद नहीं है। बिना पारपत्र के आवाजाही निरंतर है। करीब 60 लाख नेपाली भारत में काम करके रोजी-रोटी कमा रहे हैं। 3000 नेपाली छात्रों को भारत हर साल छात्रवृत्ति देता है। नेपाल के विदेशी निवेश में भी अब तक का सबसे बड़ा 47 प्रतिशत हिस्सा भारत का है। बावजूद यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेपाल का झुकाव चीन की ओर बढ़ रहा है। हालांकि नरेंद्र मोदी ने अगस्त-2014 में नेपाल की यात्रा करके बिगड़ते संबंधों को आत्मीय बनाने की सार्थक पहल की थी, किंतु भारतीय मूल के मधेशियों के आंदोलन ने इस पर पानी फेर दिया था।

नेपाल की पिछली सरकारों द्वारा चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को जो नए आयाम दिए हैं, उनके तहत ऐतिहासिक पारगमन व्यापार समझौतें समेत 10 समझौतों की शुरूआत करके नेपाल ने चीन से रिश्ते मजबूत कर लिए हैं। इस समझौते में सबसे खास बात है कि नेपाल अब भारत के कोलकाता स्थित हल्दिया बंदरगाह के बजाय 3000 किमी दूर स्थित चीनी तियानजिन बंदरगाह से अपने जरूरी सामानों की आपूर्ति करने लगा है। जबकि भारत का बंदरगाह नेपाल की सीमा से करीब 1000 किमी की दूरी पर है। विडंबना है कि नेपाल चीन के इस बंदरगाह का तुरंत इस्तेमाल नहीं कर सकता है, क्योंकि चीनी बंदरगाह ऊंचाई पर है और नेपाल में आधारभूत ढांचा उन्नत नहीं है। बावजूद यह समझौता शायद इसलिए हुआ, क्योंकि इसी समझौते के ठीक पहले नेपाल में मधेशी आंदोलन के चलते भारत से आने वाले नेपाल के व्यापारिक मार्गों को करीब छह माह तक बंद कर दिया गया था, जिससे नेपाल का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। इस नाकेबंदी की भविष्य में पुनरावृत्ति न हो इस आशंका से मुक्ति के लिए नेपाल ने इस समझौते को अंजाम दे दिया था। इस अहम समझौते के अलावा चीन और नेपाल के बीच तिब्बत के रास्ते रेलमार्ग बनाने पर भी संधि हुई है। चीन ने काठमांडू से करीब 200 किमी दूर पोखरा में क्षेत्रीय हवाई अड्डा निर्माण के लिए नेपाल को 21.6 डॉलर का सस्ती ब्याज दर पर ऋण दिया है। मुक्त व्यापार समझौते पर भी हस्ताक्षर हुए हैं। नेपाल में तेल और गैस की खोज करने पर भी चीन सहमत हुआ है। इसके लिए वह नेपाल को आर्थिक और तकनीकि मदद देने को राजी हो गया है। चीन ने नेपाल में अपने व्यावसायिक बैंक की शाखाएं भी खोल दी हैं। नेपाली बैंक भी अपनी शाखाएं चीन में खोल रहे हैं। संस्कृति, शिक्षा और पर्यटन जैसे मुद्दों पर भी चीन का दखल नेपाल में बढ़ गया है। अर्से से इन्हीं कूटिल कूटनीतिक चालों के चलते कम्युनिष्ट विचारधारा के पोषक चीन ने माओवादी नेपालियों को अपनी गिरफ्त में लिया और नेपाल के हिंदू राष्ट्र होने के संवैधानिक प्रावधान को खत्म करके प्रचंड को प्रधानमंत्री बनवा दिया था। चीन नेपाल की पाठशालाओं में चीनी अध्यापकों से चीनी भाषा मंदारिन भी मुफ्त में सिखाने का काम कर रहा है। माओवादी प्रभाव ने ही भारत और नेपाल के प्राचीन रिश्ते में हिंदुत्व और हिंदी की जो भावनात्मक तासीर थी,उसका गाढ़ापन ढीला किया। गोया, चीन का हस्तक्षेप और प्रभुत्व नेपाल में लगातार बढ़ता रहा है। हैरानी की बात है कि भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी के नेता और वामपंथी लेखक इन मुद्दों पर पर्दा डाले रखकर देशहित से दूरी बनाए हुए हैं।

भारत के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय राजनीतिक नेतृत्व ने कभी भी चीन के लोकतांत्रिक मुखौटे में छिपी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा को नहीं समझा? नतीजतन चीन की हड़प नीतियों के विरुद्ध न तो कभी दृढ़ता से खड़े हो पाए और न ही कड़ा रुख अपनाकर विश्व मंच पर अपना विरोध दर्ज करा पाए ? अलबत्ता हमारे तीन प्रधानमंत्रियों, जवाहर लाल नेहरू और राजीव गांधी ने तिब्बत को चीन का अविभाजित हिस्सा मानने की उदारता ही जताई। इसी खूली छूट के चलते बड़ी संख्या में तिब्बत में चीनी सैनिकों की धुसपैठ शुरू हुर्ह। इन सैनिकों ने वहां की सांस्कृतिक पहचान, भाषाई तेवर और धार्मिक संस्कारों में पर्याप्त दखलंदाजी कर दुनिया की छत को कब्जा लिया। अब तो चीन तिब्बती मानव नस्ल को ही बदलने में लगा है। दुनिया के मानवाधिकारी वैश्विक मंचो से कह भी रहे हैं कि तिब्बत विष्व का ऐसा अंतिम उपनिवेश है, जिसे हड़पने के बाद वहां की सांस्कृतिक अस्मिता को एक दिन चीनी अजगर पूरी तरह निगल जाएगा। ताइवान का यही हश्र चीन पहले ही कर चुका है। चीन ने दखल देकर पहले इसकी सांस्कृतिक अस्मिता को नष्ट-भ्रष्ट किया और फिर ताइवान का बाकायदा अधिपति बन बैठा। हांगकांग और नेपाल में भी चीन यही कर रहा है। हांगकांग को भी वह पूरी तरह नियंत्रण में लेने की फिराक में है।

नजरिया

मरीज, मशीन और हैकर : स्वास्थ्य व्यवस्था का नया संकट

प्रो. आरके जैन अरिजीत

> **समाधान जटिल नहीं हैं, आवश्यकता केवल ढ़ क्रियान्वयन की है। मेडिकल डिवाइसों के प्रमाणन में साइबर सुरक्षा को अनिवार्य शर्त बनाया जाना चाहिए। अस्पतालों में नियमित सुरक्षा परीक्षण, डेटा एन्क्रिप्शन, मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन और कर्मचारियों का प्रशिक्षण सुनिश्चित हो। हेल्थ ऐप्स के लिए कड़े डेटा संरक्षण मानक और जवाबदेही तंत्र विकसित किए जाएँ। साथ ही नागरिकों को भी डिजिटल सुविधा के साथ डिजिटल सतर्कता अपनानी होगी। भारत के पास तकनीकी क्षमता, विशेषज्ञता और विशाल डिजिटल नेटवर्क है; अब आवश्यक है कि स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटल विस्तार सुरक्षा की सुढ़ नींव पर खड़ा हो। अश्य डिजिटल संसार आज जन स्वास्थ्य का नया रणक्षेत्र बन चुका है।**

अस्पतालों की सुरक्षा की पारंपरिक तस्वीर बदल रही है। आज स्वास्थ्य सेवाएँ इंटरनेट, डेटा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित हैं। मरीज की जांच रिपोर्ट से लेकर उपचार रिकॉर्ड तक सब कुछ डिजिटल नेटवर्क से जुड़ा है। चिकित्सा जगत इसे प्रगति का प्रतीक मानता है, लेकिन इसके साथ एक अदृश्य खतरा भी उभर रहा है- साइबर हमलों का। अब अस्पताल के सर्वर में सेंध लगना केवल डेटा चोरी नहीं रह गया। जब चिकित्सा उपकरण और उपचार डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हों, तब कंप्यूटर नेटवर्क पर हुआ हमला सीधे मानव जीवन को प्रभावित कर सकता है। इसलिए जन स्वास्थ्य की सुरक्षा अब चिकित्सा विज्ञान के साथ-साथ साइबर सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण विषय बन गई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में इंटरनेट ऑफ मेडिकल थिंग्स का विस्तार अभूतपूर्व रहा है। पेसमेकर, इंसुलिन पंप, वेंटिलेटर, हार्ट मॉनिटर और एमआरआई जैसी मशीनें अब एक विशाल डिजिटल नेटवर्क का हिस्सा हैं। इससे उपचार और निगरानी बेहतर हुई है, लेकिन जोखिम भी बढ़े हैं। किसी डिवाइस की मामूली तकनीकी खामी साइबर अपराधियों के लिए प्रवेश का मार्ग बन सकती है। विश्व की कई नियामक संस्थाएँ लगातार ऐसी कमजोरियों को लेकर चेतावनी देती रही हैं, फिर भी स्वास्थ्य क्षेत्र का बड़ा हिस्सा उन्हें पर्याप्त गंभीरता से नहीं लेता। जबकि आज चिकित्सा उपकरणों में सुरक्षा कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि जीवनरक्षा की अनिवार्य आवश्यकता है। जब साइबर हमले अस्पतालों को निशाना बनाते हैं, तब उनके दुष्परिणाम केवल कंप्यूटरों तक सीमित नहीं रहते। वर्ष 2017 में वानाक्राई रैंसमवेयर ने ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा को इस तरह प्रभावित किया कि कंप्यूटर ठप पड़ गए, सर्जरियाँ टालनी पड़ीं और स्वास्थ्य सेवाएँ बाधित हो गईं। यह डिजिटल युग की कठोर सच्चाई थी। कोविड महामारी के बाद भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटलीकरण तेज़ी से बढ़ा, पर सुरक्षा व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं हो सकी। डिजिटल रिकॉर्ड, ऑनलाइन परामर्श और स्मार्ट उपकरणों के बढ़ते उपयोग के बीच अनेक अस्पताल अब भी पुराने सॉफ्टवेयर और असुरक्षित नेटवर्क पर निर्भर हैं। ऐसे में स्वास्थ्य संस्थान साइबर अपराधियों के लिए आसान लक्ष्य बनते जा रहे हैं।

स्वास्थ्य संबंधी जानकारी अब केवल अस्पतालों के रिकॉर्ड में नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के मोबाइल ऐप्स में भी सुरक्षित है। फिटनेस, शुगर मॉनिटरिंग, ब्लड प्रेशर और टेलीमेडिसिन ऐप्स व्यक्ति की बीमारी, दवाओं, पारिवारिक स्वास्थ्य इतिहास और कई बार आनुवंशिक जानकारी तक संजोते हैं। किंतु अनेक ऐप्स में सुरक्षा मानकों का पालन पर्याप्त नहीं होता। कमजोर पासवर्ड, अपर्याप्त एन्क्रिप्शन और समय पर अपडेट का अभाव उन्हें साइबर हमलों के प्रति संवेदनशील बनाता है। ऐसे में स्वास्थ्य डेटा अपराधियों के लिए बहुमूल्य संपत्ति बन जाता है, जिसका दुरुपयोग ब्लैकमेल से लेकर व्यावसायिक शोषण तक किया जा सकता है। जब स्वास्थ्य संबंधी गोपनीय सूचनाएँ लीक होती हैं, तब क्षति केवल डेटा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि विश्वास की नींव भी हिल जाती है। बैंक खाते का पासवर्ड बदला जा सकता है, पर किसी व्यक्ति की बीमारी का इतिहास नहीं। यदि संवेदनशील स्वास्थ्य जानकारी सार्वजनिक हो जाए, तो उसका असर सामाजिक संबंधों, रोजगार के अवसरों और बीमा सुविधाओं तक पड़ सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य क्षेत्र अन्य क्षेत्रों से भिन्न है। यहाँ डेटा का मूल्य केवल आर्थिक नहीं, बल्कि व्यक्ति की पहचान, प्रतिष्ठा और गरिमा से जुड़ा होता है। इसलिए स्वास्थ्य प्रणालियों की असुरक्षा का नुकसान केवल संस्थानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करता है।

संकट की गहराई केवल डेटा चोरी तक सीमित नहीं है। आज साइबर हमले सीधे जीवनरक्षक चिकित्सा उपकरणों तक पहुँच सकते हैं। यदि किसी इंसुलिन पंप की डोज या वेंटिलेटर की सेटिंग से छेड़छाड़ हो जाए, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। यह मात्र काल्पनिक आशंका नहीं, बल्कि वैश्विक अध्ययनों और चेतावनियों का विषय है। रैंसमवेयर हमलों के दौरान ऑपरेशन थिएटर प्रभावित होते हैं, आपातकालीन सेवाएँ बाधित होती हैं और उपचार व्यवस्था संकट में पड़ जाती है। डिजिटल चिकित्सा की नींव विश्वास पर टिकी है। यदि मरीजों को तकनीक सुविधा के बजाय जोखिम का स्रोत लगने लगे, तो स्वास्थ्य क्षेत्र का डिजिटल परिवर्तन अपनी विश्वसनीयता खो सकता है। इस संकट की जड़ केवल तकनीकी कमजोरियाँ नहीं, बल्कि सुरक्षा के प्रति उपेक्षा है। चिकित्सा उपकरण निर्माता अक्सर नई सुविधाओं और बाजार विस्तार को प्राथमिकता देते हैं, जबकि सुरक्षा पीछे छूट जाती है। अस्पतालों में साइबर सुरक्षा को अब भी अतिरिक्त खर्च माना जाता है। कर्मचारियों का अपर्याप्त प्रशिक्षण, फिशिंग ईमेल के प्रति लापरवाही और कमजोर पासवर्ड जोखिम बढ़ाते हैं। भारत में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन स्वास्थ्य क्षेत्र को नई दिशा दे रहा है, लेकिन यह भविष्य तभी सुरक्षित होगा जब सुरक्षा ढाँचा भी मजबूत बने। डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था की वास्तविक मजबूती तकनीक नहीं, बल्कि सुरक्षा के प्रति संस्थागत प्रतिबद्धता से तय होगी।

समाधान जटिल नहीं हैं, आवश्यकता केवल दृढ़ क्रियान्वयन की है। मेडिकल डिवाइसों के प्रमाणन में साइबर सुरक्षा को अनिवार्य शर्त बनाया जाना चाहिए। अस्पतालों में नियमित सुरक्षा परीक्षण, डेटा एन्क्रिप्शन, मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन और कर्मचारियों का प्रशिक्षण सुनिश्चित हो। हेल्थ ऐप्स के लिए कड़े डेटा संरक्षण मानक और जवाबदेही तंत्र विकसित किए जाएँ। साथ ही नागरिकों को भी डिजिटल सुविधा के साथ डिजिटल सतर्कता अपनानी होगी। भारत के पास तकनीकी क्षमता, विशेषज्ञता और विशाल डिजिटल नेटवर्क है; अब आवश्यक है कि स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटल विस्तार सुरक्षा की सुदृढ़ नींव पर खड़ा हो। अदृश्य डिजिटल संसार आज जन स्वास्थ्य का नया रणक्षेत्र बन चुका है। यहाँ रक्षा के सबसे बड़े साधन सतर्कता, तकनीकी तैयारी और दूरदर्शी नीतियाँ हैं। यदि स्वास्थ्य व्यवस्था को भविष्य के अनुरूप सुरक्षित बनाना है, तो साइबर सुरक्षा को उसकी परिधि नहीं, बल्कि केंद्र में रखना होगा। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब अस्पतालों के सामने सबसे बड़ा खतरा किसी वायरस से नहीं, बल्कि कंप्यूटर स्क्रीन के पीछे बैठे एक हैकर से होगा। आधुनिक चिकित्सा की सफलता इसी पर निर्भर करेगी कि वह इस नए खतरे को कितनी गंभीरता से पहचानती और उसका सामना करती है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

धार की भोजशाला में वाग्देवी की अष्टधातु मूर्ति रखने और हटाने को लेकर विवाद

इंदौर/भाषा। धार की भोजशाला को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा मंदिर घोषित किए जाने के 22 दिन बाद इस परिसर में वाग्देवी (देवी सरस्वती) की अष्टधातु मूर्ति रखे जाने और उसे कथित तौर पर हटाए जाने को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है।

हिंदू पक्ष के एक याचिकाकर्ता ने भोजशाला से यह मूर्ति हटाने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को जिम्मेदार ठहराया है, जबकि मुस्लिम पक्ष के एक प्रतिनिधि ने मध्यकालीन स्मारक में इस मूर्ति की स्थापना पर आपत्ति जताई है।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने हिंदू पक्ष की दो जनहित याचिकाएं स्वीकार करते हुए भोजशाला को 15 मई को वाग्देवी का मंदिर घोषित किया था। अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि एएसआई को इस परिसर में धार्मिक पहुंच के संरक्षण और विनियमन पर 'पूर्ण पर्यवेक्षी नियंत्रण' प्राप्त होगा।

भोजशाला मामले में हिंदू पक्ष के याचिकाकर्ताओं में शामिल कुलदीप तिवारी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि पिछले शनिवार (छह जून) को कुछ श्रद्धालुओं ने इस परिसर में अष्टधातु की एक मूर्ति स्थापित कर विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की थी।

तिवारी के अनुसार श्रद्धालुओं ने शनिवार को पूरे दिन मूर्ति की पूजा की, लेकिन शाम को एएसआई ने इसे भोजशाला से कथित तौर पर हटा दिया। उन्होंने कहा,''मां वाग्देवी की अष्टधातु मूर्ति को एएसआई द्वारा हटाया जाना बेहद आपत्तिजनक है। यह कदम न्यायालय के आदेश की अवमानना और श्रद्धालुओं की आस्था का अपमान है।''

तिवारी ने कहा कि भोजशाला परिसर में वाग्देवी की मूर्ति की प्रतिकृति अपने स्थान पर यथावत है, जबकि अष्टधातु की मूर्ति एएसआई ने कथित तौर पर हटा दी है। उन्होंने कहा कि वाग्देवी की मूल मूर्ति लंदन के ब्रिटिश म्यूजियम में रखी है और जब तक यह मूर्ति वापस भारत नहीं आ जाती, तब तक वैकल्पिक रूप से अष्टधातु की मूर्ति मंदिर में स्थापित की जाए।

तिवारी ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि पिछले हफ्ते भोजशाला परिसर में किन श्रद्धालुओं ने अष्टधातु की मूर्ति स्थापित की थी।

भोजशाला परिसर से यह मूर्ति हटाए जाने के आरोप पर एएसआई की प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है। इस विवाद के बारे में पूछे जाने पर धार क्षेत्र के एएसआई अधिकारी प्रशांत पाटनकर ने कहा कि वह मीडिया को बयान देने के लिए अधिकृत नहीं हैं।

धार के पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने कहा कि भोजशाला को लेकर उच्च न्यायालय के 15 मई के आदेश और तमाम नियम-कायदों का पुलिस-प्रशासन द्वारा पूरी तरह पालन किया जा रहा है।

उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ में जनहित याचिका दायर करके मुकदमा जीतने वाले हिंदू पक्ष के दोनों याचिकाकर्ता लंदन के ब्रिटिश म्यूजियम में रखी वाग्देवी की मूल मूर्ति को भारत वापस लाकर भोजशाला में पुनर्स्थापित करने की मांग पर जोर दे रहे हैं।

हिंदू पक्ष की याचिकाओं में वाग्देवी की मूल मूर्ति भारत वापस लाने और उसे भोजशाला परिसर के भीतर फिर से स्थापित करने की गुहार भी शामिल थी। इस गुहार पर अदालत ने 15 मई के फैसले में कहा था कि याचिकाकर्ताओं ने भारत सरकार के समक्ष पहले ही इस बारे में कई अभ्यावेदन प्रस्तुत किए हैं और सरकार इन पर विचार कर सकती है। धार की कमाल मौला मस्जिद नमाज इंतजामिया कमेटी के सदर (प्रमुख) जुल्फिकार पठान ने कहा,उच्च न्यायालय की इस टिप्पणी के मद्देनजर भोजशाला परिसर में कोई भी अन्य मूर्ति कानूनन नहीं रखी जा सकती।

कंगना रनौत ने की युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की तारीफ, कहा- 'देश के लिए वर्ल्ड कप लेकर आओ'

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 15 साल की उम्र में इतिहास रचते हुए भारतीय टी20 टीम में जगह बनाई। उनकी इस उपलब्धि पर बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। कंगना ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू के दौरान एक मशहूर गजल के जरिए वैभव सूर्यवंशी को बधाई दी। आईएएनएस को बधाई देते हुए कंगना रनौत ने कहा, ''इतनी छोटी उम्र में टीम इंडिया में चयन होना बेहद गर्व की बात है। मुझे उम्मीद है कि वैभव आगे चलकर सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे महान खिलाड़ियों से भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे और वर्ल्ड कप घर लाएंगे।'' इसी बातचीत के दौरान कंगना ने एक मशहूर गजल की पंक्तियां भी सुनाईं 'ना उम्र की सीमा हो, ना जन्म का हो बंधन...जब प्यार करे कोई, तो देखे केवल मन... नई रीत चलाकर तुम, ये रीत अमर कर दो।'

जब आईएएनएस ने कंगना से पूछा कि क्या उन्होंने वैभव सूर्यवंशी को खेलते हुए देखना है, तो उन्होंने कहा, ''काम की व्यस्तता के चलते मुझे क्रिकेट देखने का ज्यादा समय नहीं मिल पाता। मैं हर उभरते हुए युवा खिलाड़ी को शुभकामनाएं देती हूं और चाहती हूं कि वे देश का नाम रोशन करें। मेरा मकसद किसी पर दबाव डालना नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों को प्रेरित करना है ताकि वे अपने खेल में और बेहतर कर सकें।''

बता दें कि वैभव सूर्यवंशी की उपलब्धि इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि उन्होंने क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर से भी कम उम्र में भारतीय टीम में जगह बनाई है। सचिन को 16 साल की उम्र में टीम इंडिया में मौका मिला था, जबकि वैभव को 15 साल की उम्र में यह अवसर मिला है। इसी वजह से उन्हें भारतीय क्रिकेट इतिहास का सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कहा जा रहा है। इसके अलावा, कंगना रनौत ने खुलासा किया कि आखिर उन्होंने अपनी सोशल मीडिया टीम से अपने अकाउंट्स की कमान वापस क्यों ले ली और क्यों वह खुद अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म संभालना पसंद करती हैं।

कंगना रनौत ने कहा, ''मुझे सोशल मीडिया पर लोगों से सीधे बात करना ज्यादा पसंद है। एक समय मेरा सोशल मीडिया अकाउंट मेरी टीम संभाल रही थी, लेकिन टीम द्वारा लिखे जाने वाले पोस्ट और कैप्शन मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आते थे।

गुरुता गद्दी दिवस

–अमृतसर में सोमवार को छठे सिख गुरु, श्री गुरु हरगोविंद साहिब जी के 'गुरुता गद्दी दिवस' के पावन अवसर पर अमृतसर के स्वर्ण मंदिर (हरमंदिर साहिब) में माथा टेकने और दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु।

धारा 301 की जांच के बाद ही भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप : अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका की तरफ से धारा 301 के तहत जांच पूरी होने के बाद ही भारत और अमेरिका के बीच होने वाले द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण को अंतिम रूप दिया जा सकेगा। एक सरकारी अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यदि अमेरिका, भारत पर कोई अतिरिक्त शुल्क लगाना चाहता है, तो उसे इसके लिए धारा 301 के तहत शुरू जांच की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इस प्रक्रिया का 24 जुलाई तक पूरा होना महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसके बाद अमेरिका द्वारा लगाया गया 10 प्रतिशत का अस्थायी अतिरिक्त शुल्क समाप्त हो जाएगा और केवल 'सर्वाधिक तरजीही देश' (एमएफएन) शुल्क ही लागू रहेंगे।

अधिकारी ने कहा, ''ऐसे में अगर अमेरिका हमसे कोई अतिरिक्त शुल्क वसूलना चाहता है, तो उसे पहले धारा 301 के तहत जांच प्रक्रिया पूरी करनी होगी।''

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने मार्च में भारत सहित कई देशों के खिलाफ धारा 301 के तहत एकतरफा जांच दो मामलों में शुरू की थीं। ये जांच वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में कथित बंधुआ मजदूरी और 'अत्यधिक उत्पादन क्षमता' से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित हैं।

यूएसटीआर ने दो जून को भारत समेत 54 देशों पर 12.5 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा था। यह शुल्क बंधुआ मजदूरी से बने उत्पादों के आयात पर प्रभावी रोक लगाने में विफल रहने के आरोप में लगाने की बात कही गई। हालांकि, 'अत्यधिक उत्पादन क्षमता' से जुड़ी दूसरी जांच की रिपोर्ट अभी आनी बाकी है।

इस बीच, भारत अपने प्रतिस्पर्धी देशों जैसे आसियान समूह, श्रीलंका और बांग्लादेश की तुलना में कम शुल्क लगाने की मांग कर रहा है।

पिछले सप्ताह वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि दोनों देश अंतरिम व्यापार समझौते के लंबित मुद्दों को सुलझाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और जुलाई के मध्य तक पहले चरण को अंतिम रूप दिया जा सकता है।

एक अमेरिकी दल ने दो से चार जून के बीच भारत का दौरा कर व्यापार समझौते पर चर्चा की। महीने के अंत में जेमीसन ग्रीर के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के भी भारत आने की संभावना है।

वित्त वर्ष 2025-26 में अमेरिका, भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा। इस दौरान भारत का अमेरिका को निर्यात 0.92 प्रतिशत बढ़कर 87.3 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 15.95 प्रतिशत बढ़कर 52.9 अरब डॉलर हो गया।

मां को तकलीफ न हो इसलिए कभी जिद नहीं की, रानी मुखर्जी ने सुनाया बचपन का किस्सा

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी को लोग उनकी दमदार अदाकारी और शानदार फिल्मों के लिए जानते हैं। हाल ही में उनका एक इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहती नजर आ रही हैं कि छोटी उम्र से ही उनके मन में एक ही इच्छा थी कि वह जिंदगी में कुछ बड़ा करें और अपने माता-पिता को दुनिया की हर खुशी दें।मशहूर टेलीविजन होस्ट सिमी ग्रेवाल के चर्चित शो 'रेंडेजवस विद सिमी ग्रेवाल' में बातचीत के दौरान रानी मुखर्जी ने अपने बचपन की कई यादें साझा कीं। जब उनसे पूछा गया कि वह बड़ी होकर क्या बनना चाहती थीं तो रानी ने कहा, 'मैं हमेशा से जीवन में कुछ बड़ा करना चाहती थी। मेरे अंदर यह बात थी कि मैं अपने माता-पिता को सच में खुश करना चाहती थी। जब मैं किसी दुकान पर जाती थी तो कई चीजें मैं खरीदना चाहती थीं तो मन में ख्याल आता था कि एक दिन मैं इतनी सफल बनूं कि जो चाहे खरीद सकूं और अपने माता-पिता की हर इच्छा पूरी कर सकूं।''रानी मुखर्जी ने बातचीत के दौरान बताया, बचपन में अगर मुझे किसी चीज की इच्छा होती थी, लेकिन मुझे लगता था कि मेरी मां वह चीज नहीं खरीद पाएंगी, तो मैं कभी जिद नहीं करती थी। मैं अपनी मां को किसी भी तरह की परेशानी में नहीं डालना चाहती थी। मैं मन ही मन सोचती थी कि जब बड़ी होंगी तो कुछ ऐसा करूंगी जिससे मेरे माता-पिता को किसी बात की चिंता न रहे और उन्हें दुनिया की सबसे अच्छी चीजें मिल सकें।

उन्होंने आगे कहा, ''मैं बचपन से ही अपनी उम्र के बच्चों की तुलना में ज्यादा समझदार थी। जहां अधिकतर बच्चे अपनी इच्छाओं और जरूरतों के बारे में सोचते हैं, वहीं मैं अपने परिवार की परिस्थितियों और माता-पिता की भावनाओं को समझने लगी थी।

मुंबई में अपनी आगामी फिल्म 'हाय जवानी तो इश्क होना है' के प्रमोशन के दौरान मीडिया कैमरों के लिए पोज देते बॉलीवुड कलाकार वरुण धवन और पूजा हेगड़े।

रैली

मणिपुर में सोमवार को विभिन्न नागरिक संगठनों और '14 उब्जी कांगलेइपाक' के बैनर तले पहले छठउ, बाद में जनगणना रैली में शामिल होते छात्र।

स्वागत

वडोदरा, गुजरात में सोमवार को गर्मियों की छुट्टियां खत्म होने के बाद स्कूल लौटे छात्रों का तिलक लगाकर स्वागत करती एक शिक्षिका।

अमिताभ बच्चन ने बताई जीवन में समस्याओं की अहमियत, बोले- हमेशा तुरंत समाधान जरूरी नहीं

मुंबई/एजेन्सी

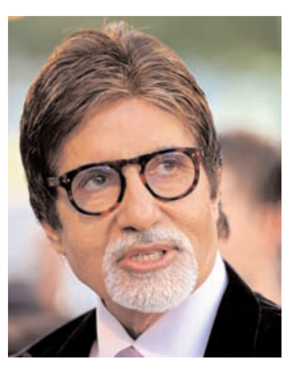

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया के माध्यम से जीवन की अनिश्चितताओं और उनसे मिलने वाली सीख पर विचार साझा किए हैं। उन्होंने अपने फैंस को सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी है। उनका कहना है कि समस्याओं का तुरंत समाधान करना हमेशा जरूरी नहीं होता, क्योंकि चुनौतियां व्यक्ति को अनुभव, समझ और सीख प्रदान करती हैं, जो आगे चलकर उसे अधिक परिपक्व और सक्षम बनाती हैं। अपने ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि समस्याएं जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं और उनसे घबराने के बजाय उन्हें समझने की कोशिश करनी चाहिए। उनका कहना है कि हर दिन इंसान को कुछ न कुछ नया सिखाता है। अमिताभ ने कहा, जब कोई समस्या मन को परेशान करती है, तो उससे उस समस्या का पूर्ण ज्ञान और अनुभव प्राप्त होता है और बदले में समझदार बनने का ज्ञान मिलता है। सीखने के लिए समस्या का होना जरूरी नहीं है, लेकिन अगर अगली बार ऐसी समस्या आती है, तो न केवल उसके समाधान के लिए, बल्कि उससे जुड़ी संभावनाओं और चुनौतियों से निपटने के लिए भी तैयार रहना चाहिए।अभिनेता ने कहा, जीवन में ये अनिश्चितताएं और चुनौतियां ही जीवन को जीने योग्य बनाती हैं। सकारात्मकता के आवश्यक आत्मविश्वास के साथ ठीक है, बहुत ज्ञान बांट दिया तो चलिए।अमिताभ बच्चन यानी बिग बी को आखिरी बार टी. जे. ज्ञानवेल द्वारा निर्देशित फिल्म 'वेट्टैयान' में देखा गया था। इस फिल्म में रजनीकांत, फहद फासिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, रितिका सिंह, दुशारा विजयन, रोहिणी, राव रमेश, अभिरामी और रमेश तिलक ने अभिनय किया है।

फिलहाल अमिताभ बच्चन फिल्म निर्माता नाग अश्विन की फिल्म कल्कि 2898 ईस्वी में काम कर रहे हैं। इस फिल्म में कमल हासन और प्रभास भी हैं।खबरों के मुताबिक, अमिताभ, नितेश तिवारी की आगामी भव्य फिल्म रामायण: भाग 1 में भी नजर आएंगे, जिसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश और सनी देओल भी हैं। बताया जा रहा है कि वे इस फिल्म में जटायु का किरदार निभाएंगे। 2 जून को बिग बी ने अपने उन प्रशंसकों को धन्यवाद दिया, जो हर रविवार को उनके घर 'जलसा' के बाहर इकट्ठा होते हैं। उन्होंने उनके अटूट प्यार और समर्थन को समर्पित एक कविता लिखी। उन्होंने सबसे पहले रविवार को अपने घर के बाहर जमा हुए प्रशंसकों की कुछ तस्वीरें साझा कीं।

समाज की जड़ में है पितृसत्तात्मक सोच : माधुरी दीक्षित

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेटफ्लिक्स पर अपनी हालिया रिलीज ड्रामा क्राइम कॉमेडी फिल्म 'मां बहन' को लेकर उत्साहित हैं। प्रमोशन में व्यस्त अभिनेत्री ने समाज में महिलाओं और पुरुषों के प्रति अलग-अलग नजरिए की बात करते हुए पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाया है। माधुरी ने कहा कि प्यार और रिश्तों के मामलों में समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है। माधुरी दीक्षित ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, यह एक पितृसत्तात्मक समाज है। शुरू से ही ऐसा होता आया है। अगर कोई पुरुष गर्लफ्रेंड बनाता है तो उसे 'कैसानोवा' या रोमियो कहा जाता है। लेकिन अगर कोई महिला वैसा ही करती है तो उसे बुरा-भला कहा जाता है और नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है। अभिनेत्री ने कहा कि उनकी फिल्म 'मां बहन' इन्हीं पुरानी परंपराओं और नियमों को चुनौती देती है। फिल्म में दिखाए गए किरदार कमियों से भरे, उलझे हुए और बिल्कुल असल जिंदगी जैसे हैं। फिल्म में महिलाओं को मजबूत और पारंपरिक नियमों को तोड़ने वाला किरदार दिया गया है। उन्होंने जोर दिया कि हर महिला सम्मान और गरिमा के साथ जीने की हकदार है।

माधुरी ने बताया, इस फिल्म में हमने समाज द्वारा बनाए गए हर नियम को तोड़ा है और हमें इसमें मजा भी आया। किरदार बहुत उलझे हुए हैं, लेकिन बेहद असली हैं। आप खुद से जुड़ाव महसूस करेंगे।'मां बहन' का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। इसमें माधुरी दीक्षित रेखा नाम की मां का किरदार निभा रही हैं। कहानी रेखा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पहले से कई मुश्किलों से जूझ रही होती है। अचानक उसके किचन में एक लाश मिल जाती है।

अपनी दो बेटियों जिम्मेदार जया और बेबाक सुष्मा के साथ वह इस मुसीबत से निपटने के लिए तेजी से सोचती है, झूठ बोलती है और पड़ोसियों से सच छुपाती है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

मैं दिल से काम करती हूं, दिमाग से नहीं : करिश्मा कपूर

मुंबई/भाषा। अभिनेत्री करिश्मा कपूर का कहना है कि वह अपने करियर के उस मुकाम पर पहुंच चुकी हैं जहां वह तभी किसी फिल्म या सीरीज का हिस्सा बनती हैं, जब कोई विषय या किरदार उन्हें सचमुच प्रभावित करता है। करिश्मा ने कहा कि इसी सोच के कारण उन्होंने 'ब्राउन' का प्रस्ताव लगभग ठुकरा दिया था।'ब्राउन' सीरीज में करिश्मा ने अपने करियर की सबसे प्रभावशाली भूमिकाओं में से एक निभाई है।यह सीरीज शुक्रवार को जी5 पर रिलीज हुई और इसमें करिश्मा पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं, जो नशे की लत और अपनी अंदरूनी समस्याओं से जूझती हैं।करिश्मा (51) ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, मैं दिल से काम करती हूं, दिमाग से नहीं। मैं जैसी हूं उसी में संतुष्ट हूं। जब काम करने का मन होता है, तब काम करती हूं। जब मन नहीं होता, तब नहीं करती। मुझे काम की इतनी चाहत या कमी महसूस नहीं होती।वर्ष 2020 में आई सीरीज 'मेंटलहुड' के बाद 'ब्राउन' करिश्मा की दूसरी वेब सीरीज है। 'मेंटलहुड' भी जी5 पर ही रिलीज हुई थी।

करिश्मा ने बताया कि जब उन्हें इस सीरीज का प्रस्ताव मिला तो वह थोड़ा झिझक रही थीं क्योंकि वह लंबे समय के लिए किसी विषय से जुड़ना नहीं चाहती थीं। उन्होंने कहा, मुझे लगा, 'शायद मैं किसी दूसरे शहर में 50-60 दिन बिताना नहीं चाहती।' यह एक लंबी सीरीज है, जिसमें छह, सात या आठ एपिसोड हैं। लेकिन जब मैं अभिनय से मिली, फिल्म की कहानी पढ़ी और रीता ब्राउन का किरदार सुना, तो मैं मना नहीं कर सकी।कोलकाता में फिल्माई गई 'ब्राउन' का निर्देशन 'डेल्ही बेली' के निर्देशक अभिनय देव ने किया है और इसका निर्माण जी स्टूडियो ने किया है।इस सीरीज में करिश्मा, रीता ब्राउन का किरदार निभा रही हैं, जो कभी शहर की सबसे बेहतरीन पुलिस अधिकारी थीं लेकिन अब बदनामी झेल रही हैं और शराब की आदी हैं तथा अपने अतीत से परेशान हैं।उन्हें सिलसिलेवार क्रूर हत्याओं से जुड़े मामले की जांच के लिए वापस बुलाया जाता है।

अभिनेत्री ने कहा कि यह किरदार उनके तीन दशक लंबे करियर में निभाए गए किसी भी किरदार से बिल्कुल अलग है।करिश्मा ने 'अंदाज अपना अपना', 'राजा हिंदुस्तानी', 'दिल तो पागल है', 'बीवी नंबर 1', 'हीरो नंबर 1', 'फिजा' और 'जुबैदा' जैसी हिट फिल्मों में काम किया है। उन्होंने कहा, रीता ब्राउन जो कुछ भी करती है, वह करिश्मा कपूर के स्वभाव से बिल्कुल अलग है। वह शराबी है, मादक पदार्थ का सेवन करती है, कई तरह की भावनाओं से गुजर रही है, वह खाना नहीं खाती, जबकि मैं खाने की शौकीन हूं। मैं इस चुनौती को स्वीकार करना चाहती थी और इस किरदार को निभाना चाहती थी, जिसका मैंने भरपूर आनंद लिया। 'ब्राउन' में जीशु सेनगुप्ता, सूर्या शर्मा और सोनी राजदान भी अहम भूमिकाओं में हैं।

अशोक परमार पुनः मनोनीत हुए तेरापंथी सभा किलपॉक के अध्यक्ष बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक के जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा का प्रथम वार्षिक अधिवेशन तेरापंथ जैन विद्यालय, पट्टालम में रविवार को आयोजित हुआ। नमस्कार महामंत्र सामुहिक समुच्चारण के साथ कार्यवाही का शुभारंभ हुआ। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन सहमंत्री विकास सेठिया ने किया।

अध्यक्ष अशोक परमार ने स्वागत भाषण में सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। मंत्री विजय सुराणा ने मंत्री प्रतिवेदन, कोषाध्यक्ष इन्दरचन्द बोथरा ने आय-व्यय ब्योरा सदन में प्रस्तुत किया। जिसे सर्वसम्मति से ओम अर्हम् की ध्वनि से पास किया। इस कार्यकाल अवधि के दौरान दिवंगत श्रावक-श्राविकाओं, सभा सदस्यों को श्रद्धाजंलि स्वरूप लोगस्स पाठ का ध्यान किया गया। अधिवेशन की चुनावी कार्यवाही के लिए चुनाव अधिकारी गौतमचन्द डागा, सहअधिकारी प्रसन्न बोथरा को मंच सौपा गया। चुनाव अधिकारी ने प्राप्त नामांकन पत्र एक ही व्यक्ति के मिलने की जानकारी देते हुए, आगामी दो वर्षीय 2026-2028 कार्यकाल के लिए पुन: अशोक परमार को अध्यक्ष पद के निर्वाचन की घोषणा करते हुए दायित्व पत्र प्रदान किया। अशोक परमार ने पुन: सदन द्वारा विशिष्ट विश्वास के साथ दायित्व सौंपने पर साधुवाद देते हुए नवीन तेरापंथ भवन व अन्य कार्यों के लिए सभी के सहयोग का आह्वान किया। अधिवेशन कार्यवाही का संचालन मंत्री विजय सुराणा ने किया। विकास सेठिया ने आभार ज्ञापन दिया। अधिवेशन के पश्चात सदस्यगणों ने विराजित साध्वीश्री उदितयशा और ताम्बरम में मुनिप्रवर पुलकितकुमार के दर्शन किए।

मायुमं बेंगलूरु जागृति शाखा का शपथ ग्रहण सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच(मायुमं) बेंगलूरु जागृति शाखा का शपथ ग्रहण रविवार को जयनगर स्थित एक होटल में हुआ। इस समारोह में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के जोन 5 के उपाध्यक्ष साकेत रितोलिया ने खुशबू जैन को अध्यक्ष, शीतल अग्रवाल को सचिव, मोनिका कुमारी को कोषाध्यक्ष एवं नवनिर्वाचित कार्यकारिणी सदस्याओं को शपथ दिलवाई।

पूर्व अध्यक्ष ऋतु सिंघल ने नई कार्यकारिणी समिति को शुभकामनाएं दी। समारोह में विभिन्न संस्थाओं के वरिष्ठजनों ने संस्था के संरक्षक के लिए स्वीकृति देकर हर संभव योगदान देने की घोषणा की। नई अध्यक्ष खुशबू जैन ने अपने कार्यकाल में नारी आत्मनिर्भरता, महिला उद्यमिता, प्राकृतिक चीजों से बीमारियों के इलाज विषयों पर कार्य करने की बात कही।

इसी श्रृंखला में उन्होंने 'ए वॉक विथ नेचर' कार्यक्रम की घोषणा की जिसमें डॉ. आलोक गोयल निशुल्क चिकित्सीय परामर्श देंगे। कार्यक्रम में मंच के प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, राष्ट्रीय सलाहकार (वित्त) नितेश टिबरेवाल सहित मंच की स्टार्स, बेंगलूरु एवं सेंट्रल शाखा के पदाधिकारी, विभिन्न सभा संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ज्योति पोद्दार ने किया। सचिव शीतल अग्रवाल ने धन्यवाद दिया।

कराबी निगम अस्पतालों और औषधालयों में केंद्रीकृत ऑनलाइन रोगी फीडबैक प्रणाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां कराबी निगम ने रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए अस्पतालों और औषधालयों में केंद्रीकृत ऑनलाइन रोगी फीडबैक प्रणाली का प्रारंभ किया। लाभाधिकारी अब विभिन्न डिजिटल चैनलों के माध्यम से स्वच्छता, कर्मचारियों के व्यवहार और दवा की उपलब्धता पर सीधे फीडबैक दे सकते हैं। तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के लिए ओटीपी सत्यापन, बहुभाषी समर्थन और रीयल-टाइम मॉनिटरिंग डैशबोर्ड से लैस सिस्टम को 3 से नीचे की सेवा रेटिंग पर तत्काल फ्लैग किया जाएगा। सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने और रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, श्रम और रोजगार मंत्रालय के तहत कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने देश भर में अपने सभी अस्पतालों और औषधालयों में एक व्यापक केंद्रीकृत ऑनलाइन रोगी प्रतिक्रिया प्रणाली को सफलतापूर्वक प्रारंभ किया है। यह डिजिटल पहल बीमाकृत व्यक्तियों (आईपी) और लाभाधिकारियों को अपने स्वास्थ्य संबंधी अनुभवों को निर्बाध रूप से साझा करने, विशेष समस्याओं को प्रस्तुत करने और संस्थागत सुधार के लिए कार्रवाई योग्य सुझाव प्रदान करने में सक्षम बनाती है। इस प्लेटफ़ॉर्म को महत्वपूर्ण सेवा मापदंडों, विशेष रूप से प्रदत्त सुविधाओं में साफ-सफाई, चिकित्सा कर्मचारियों के व्यवहार और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता पर नागरिकों की प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

व्यापक भागीदारी और सेवाओं तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, यह प्रणाली लाभार्थियों के लिए कई फीडबैक चैनल प्रदान करती है। ईएसआईसी एचआईएस (धन्वंतरि) मॉड्यूल के माध्यम से सेवाओं का लाभ उठाने के तुरंत बाद बीमाकृत व्यक्ति को एसएमएस के माध्यम से एक प्रत्यक्ष फीडबैक लिंक भेजा जाता है। लाभार्थी सभी ओपीडी और अस्पताल स्थलों पर प्रमुखता से लगाए गए अनुकूलित, बहुभाषी पोस्टरों पर प्रदर्शित क्यूआर कोड को स्कैन करके अपनी प्रतिक्रिया साझा कर सकते हैं। फीडबैक सीधे आधिकारिक क.रा.बी.निगम की वेबसाइट के माध्यम से भी प्रस्तुत किया जा सकता है। उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस के लिए रोगियों को बस अपने मोबाइल उपकरणों का उपयोग करके क्यूआर कोड को स्कैन करने, अपना आईपी नंबर दर्ज करने, अपने अनुभव को रेट कर सबमिट करने की आवश्यकता होती है जिससे कुछ ही सेकंड में उनकी प्रतिक्रिया सबमिट हो जाती है।

सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ नमन-12

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नाहर बंधु एसोसिएशन द्वारा रविवार को चूले स्थित पर्ल बैंक्विट हॉल में प्रवासी नहर बंधुओं का नमन-12 (नाहर मीट नाहर) कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। इस पूरे कार्यक्रम में हजारों नाहर बंधुओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पधारे मोटिवेशनल वक्ता तरुण जैन ने अपने ओजस्वी संबोधन से पूरे माहौल को जोशीला बना दिया। इस अवसर पर नाहर बंधु एसोसिएशन द्वारा वार्षिक कैलेंडर का विमोचन भी किया गया जिसका लाभ राजेश कमलेश नाहर ने लिया। कार्यक्रम में ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी के साथ मेधावी विद्यार्थियों वरिष्ठ नागरिकों वर्षीतप करने वालों, युवा प्रतिभाओं कार्यक्रम में सहयोग देने वाले दानदाताओं का भी सम्मान किया गया। यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष हंसराज नाहर ने दी है।

जीवन के आधार हैं अहिंसा, तप और संयम : मुनिश्री विनीत कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर की सदस्याओं ने रविवार को मंड्या में विराजित मुनिश्री विनीत कुमार जी, आकाश कुमार जी, हितेंद्र कुमार जी एवं पुनीत कुमार जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया तथा मुनिश्री हितेंद्र कुमार जी के 3800वें एकांतर तप की अनुमोदना की। इस मौके पर मुनिश्री ने कहा कि अहिंसा, तप और संयम जीवन के तीन मुख्य आधार हैं। मुनिश्री ने समता का महत्व बताते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में समता की साधना करनी चाहिए जिससे अशुभ कर्मों का क्षय होता है।

हमारे भाव शुद्ध होने चाहिएं। विजयनगर महिला मंडल की अध्यक्ष महिमा पटावरी ने मंडल के कार्यों की जानकारी दी।

माई क्लब द्वारा ग्यारह सौ बच्चों को 51 लाख की छात्रवृत्ति प्रदान की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। माई क्लब सोशल वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित छात्रवृत्ति एवं सम्मान समारोह में ग्यारह सौ से अधिक बच्चों को 51 लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान कर आर्थिक संबल प्रदान किया गया क्लब द्वारा लगातार 17वी बार इसका आयोजन किया गया । संस्था द्वारा किए गए लगभग चार माह की निरंतर मेहनत और समर्पण के परिणामस्वरूप इस कार्यक्रम में कुल □51 लाख की छात्रवृत्ति के साथ 21 लैपटॉप भी वितरित किए गए, जिससे प्रतिभाशाली एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री राजमोहन अरुमुगम उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों के साथ समय बिताया, उनसे संवाद किया एवं अपने प्रेरणादायक विचार कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह के साथ साझा किया इस अवसर पर उन्होंने बच्चों के साथ तस्वीरें खिंचवाकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री की माता शोभा चंद्रशेखर भी उपस्थित रहीं।

उन्होंने भी विद्यार्थियों के साथ आत्मीय संवाद कर, उनका मनोबल बढ़ाया तथा बच्चों के उज्वल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक प्रवीण लालवानी ने 100 विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति प्रदान करते हुए कार्यक्रम के हाल का प्रयोजन भी किया। अन्य प्रायोजक एम. गोपीनाथ ने बच्चों को लैपटॉप प्रदान किया। कार्यक्रम के आयोजन में जयंती लाल भूरड़, संतोष भूरड़, महावीर कातरेला तथा शीतल जैन सहित अनेक लोगों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। माई क्लब सोशल वेलफेयर एसोसिएशन का उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से समाज के प्रतिभाशाली एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को आगे बढ़ाना है। यह कार्यक्रम इसी संकल्प के साथ प्रतिवर्ष आयोजित किया जा रहा है जिससे विद्यार्थियों के जीवन में नई आशा एवं प्रेरणा का संचार हो सके। यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष पूनमचंद गोलेछा ने दी है।

गणगौर और आरवाईए कॉस्मो ने आयोजित किया नि:शुल्क महिला कैंसर जांच शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां महिलाओं में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा समय रहते रोग की पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रजत की महिला इकाई गणगौर एवं आरवाईए कॉस्मो फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नि:शुल्क महिला कैंसर जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ।

ओटेरी स्थित मनोहरराज-कमला कांकरिया आरवाईए कॉस्मो कैंसर डिटेक्शन सेंटर में आयोजित इस शिविर में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वास्थ्य के प्रति अपनी जागरूकता का परिचय दिया। विश्व कैंसर सर्वाइवर दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष शिविर का उद्देश्य महिलाओं को कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों, समय पर जांच और नियमित स्क्रीनिंग के महत्व के प्रति जागरूक करना था।

शिविर में कुल 46 महिलाओं की कैंसर स्क्रीनिंग जांच की गई, जिसकी रिपोर्ट मंगलवार को साझा की जाएगी। जांच के उपरांत विशेषज्ञ चिकित्सकों ने प्रतिभागियों को उनके स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण करवाने की सलाह दी। महिलाओं के लिए पैप स्मीयर टेस्ट एवं मैमोग्राम जांच जैसी महत्वपूर्ण स्क्रीनिंग सुविधाएं भी नि:शुल्क उपलब्ध कराई गईं। इस अवसर पर गणगौर की ओर से चेयरपर्सन कंचन बिसानी, को-चेयरपर्सन प्रगति जैन, कांता बिसानी, सुनीता जैन, मीनू गुप्ता, नेहा अग्रवाल एवं अभिलाषा जैन उपस्थित रहीं। वहीं, आरवाईए कॉस्मो फाउंडेशन की ओर से अध्यक्ष राजेश रांका, दीप्ति रांका, रश्मि ललवानी, कविता बाफना, प्रबंध न्यासी विकास ललवानी, प्रोजेक्ट सेक्रेटरी सौरभ बाफना, विनोद भूतोरिया, अरुण बोहरा, राजेन्द्र बिसानी एवं सत्यनारायण मालपानी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

विनोद कोठारी बने तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु के अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर की 43वीं वार्षिक साधारण सभा अध्यक्ष प्रसन्न धोका की अध्यक्षता में आयोजित हुई। अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने सभी का स्वागत किया।

जितेन्द्र चोपड़ा ने आय व्यय की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

प्रदीप चोपड़ा ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के संगठन मंत्री रोहित कोठारी की उपस्थिति में आयोजित निर्वाचन प्रक्रिया में सत्र 2026-28 के लिए चुनाव अधिकारी विनय बैद एवं सहचुनाव अधिकारी रजत बैद ने सर्वसम्मति से विनोद कोठारी को तेयुप बेंगलूरु का अध्यक्ष मनोनीत किया। कोठारी ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए गुरु आज्ञा में सबको साथ लेकर कार्य करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर उपस्थित सभी जनों ने नए अध्यक्ष का स्वागत किया। सभा का संचालन प्रदीपकुमार चोपड़ा ने किया।

कर्नाटक से राज्यसभा की चार सीट के लिए पांच उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए

बेंगलूरु। कर्नाटक से राज्यसभा की चार सीट के लिए 18 जून को होने वाले चुनाव के तहत नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन सोमवार तक पांच उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। कर्नाटक विधानसभा के सदस्य विधान सौधा में मतदान करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद इराणा कडाडी और नारायण कोरगप्पा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा जनता दल-(एस) के नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का कार्यकाल 25 जून को समाप्त होगा, इसलिए यह चुनाव आवश्यक हो गया है।

नामांकन दाखिल करने वाले पांच उम्मीदवारों में फिर से चुनाव लड़ रहे कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे, अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) के सचिव मंसूर अली खान और पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा, भाजपा उम्मीदवार एम नागराज तथा कोडागु जिले के निर्दलीय उम्मीदवार बोजन्ना सोमैया शामिल हैं। भाजपा उम्मीदवार नागराज ने पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा, भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और अन्य नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन पत्रों की जांच नौ जून को होगी।

उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख 11 जून है, जबकि मतदान के बाद मतगणना 18 जून को होगी। विधानसभा में मौजूदा संख्या बल को देखते हुए सत्तारूढ़ कांग्रेस के चार में से तीन सीट जीतने की संभावना है ।

भक्तों की इच्छाओं को पूरा करने के लिए भगवान करते हैं लीला : युगलशरण महाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में माहेश्वरी भवन में गतिमान पांच दिवसीय भगवान श्री जगन्नाथ कथा में सोमवार को कथावाचक गौडिया वैष्णवाचार्य युगलशरणजी महाराज ने कहा कि भगवान भक्तों के अहंकार को तोड़ने व उनकी सभी इच्छाओं को पूरा करने के लिए लीला करते हैं। भगवान जगन्नाथ, भगवान विष्णु के अवतार व श्रीकृष्ण का रूप हैं।

श्रीकृष्ण के देहत्याग, पांडवों द्वारा उनके हृदय (ब्रह्म पदार्थ) के प्रवाह, राजा इंद्रद्युम्न के स्वप्न और देव शिल्पी विश्वकर्मा द्वारा अधूरी बनाई गई मूर्तियों के चमत्कारिक इतिहास से जुड़ी हुई है जगन्नाथ कथा। द्वापर युग के अंत में जब श्रीकृष्ण ने मानव देह त्यागी, तब पांडवों ने उनका अंतिम संस्कार किया। आश्चर्य की बात यह थी कि अग्नि में श्रीकृष्ण का पूरा शरीर भस्म हो गया, लेकिन उनका हृदय (पिंड) नहीं जला। पांडवों ने उसे जल में प्रवाहित कर दिया, जो बहते हुए पुरी (ओडिशा) के समुद्र तट पर पहुंच गया। सतयुग में राजा इंद्रद्युम्न विष्णु के परम भक्त थे जिन्होंने भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा बनवाई। पर भगवान विश्वकर्मा द्वारा बनाई जा रही प्रतिमा को एक शर्त के मुताबित पहले खोलकर देखा गया जिससे भगवान जगन्नाथ, बलभद्र (बलराम) तथा सुभद्रा की तीन मूर्तियाँ अधूरी (बिना हाथ-पैरों के) ही रह गई। आकाशवाणी के अनुसार राजा ने उन्हीं अधूरी मूर्तियों को मंदिर में स्थापित कर दिया जो आज जगत के नाथ 'जगन्नाथ' के रूप में पूजनीय हैं।कथा वाचक ने रथ यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि आज भी जगन्नाथ पुरी में हर 12 साल में 'नव कलेवर' उत्सव के दौरान पुरानी मूर्तियों से उस रहस्यमयी 'ब्रह्म पदार्थ' (श्रीकृष्ण का हृदय) को निकालकर नई मूर्तियों में स्थापित किया जाता है। विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा हर वर्ष आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीय तिथि को भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की रथ यात्रा निकाली जाती है। महाराज जी ने कहा कि रथयात्रा में रथ काष्ठ के नहीं अपितु भक्तों के प्रेम भाव के रथ होते हैं। भगवान जगन्नाथ भक्तों के मन की डोर से हृदय रूपी रथ पर सवार होकर संसार को दर्शन देते हैं ।

प्याऊ सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में कुचेरा जैन एसोसिएशन द्वारा संचालित प्याऊ सेवा के लाभार्थी महावीर कुम्भट के जन्मदिन के शुभ अवसर पर उनके द्वारा आज राहगीरों एवं आमजन को स्नेहपूर्वक नाश्ता एवं मिठाइयाँ वितरित कि गईं। आज के सेवा कार्यक्रम में ए.जी. जैन स्कूल के सचिव दलजीत ढ्ढा, तिरुपति स्टूडियो के जितेंद्र खेमका, सागर सुराणा, देवेंद्र बेताला, अजीत श्रीश्रीमाल, सुरेश रांका सहित कुम्भट परिवार के सदस्यों ने अपनी उपस्थिति एवं सेवाएँ प्रदान कीं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.